उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः15 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 11 मई-2026

अंदर के पृष्ठ पर

नकली दवा असली जोंबी, कैप्सूल टिकिया में बिक रहा मौत का सामानःज्योति बाबा 8

27337 करोड़ रुपये के घोटाले में अनिल अंबानी की कंपनियों पर ताबड़तोड़ छापे 5

योगी मंत्रिमंडल में एक महिला समेत छह नए मंत्री हुए शामिल

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने जनभवन के गांधी सभागार में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। योगी मंत्रिमंडल का रविवार को विस्तार हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने जनभवन के गांधी सभागार में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल के नए सदस्य के रूप में भूपेंद्र सिंह चौधरी, मनोज कुमार पांडेय ने कैबिनेट मंत्री तथा कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर, हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश सिंह राजपूत ने राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

दो का हुआ प्रमोशन

योगी सरकार में राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल व सोमेंद्र तोमर का प्रमोशन हुआ। दोनों राज्यमंत्रियों ने अब राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। नवनियुक्त मंत्रियों ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। शपथ ग्रहण के उपरांत जनभवन का गांधी सभागार भारत माता की जय व जयश्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

इन्होंने ली मंत्री पद की शपथ

गौरतलब है कि भूपेंद्र सिंह चौधरी विधान परिषद सदस्य हैं। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि मनोज कुमार पांडे ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। वहीं राज्यमंत्री की शपथ लेने वालीं कृष्णा पासवान खागा से, सुरेंद्र दिलेर खैर से और कैलाश सिंह राजपूत तिर्वा से विधायक हैं। हंसराज विश्वकर्मा विधान परिषद सदस्य हैं।

योगी कैबिनेट में अब कुल कितने मंत्री?

योगी सरकार 2.0 में मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों समेत अब कुल 54 मंत्री हो गए हैं। इनमें 21 कैबिनेट मंत्री, 14 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 18 राज्य मंत्री शामिल हैं। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार प्रदेश में अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। खास बात यह रही कि किसी मंत्री को हटाए बिना आठ नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

मार्च 2024 में हुआ था इससे पहले विस्तार

इससे पहले योगी सरकार का पहला विस्तार लोकसभा चुनाव से पहले पांच मार्च 2024 को हुआ था। उस समय सामाजिक समीकरण साधने के तहत ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, अनिल कुमार और सुनिल कुमार शर्मा को मंत्रिमंडल में जगह दी गई थी।

ऐसा है जातीय समीकरण

भाजपा के मौजूदा जातीय समीकरण पर नजर डालें तो पार्टी के पास विधानसभा में 258 विधायक हैं। इनमें 84 ओबीसी, 59 एससी, 45 राजपूत, 42 ब्राह्मण और 28 अन्य सवर्ण वर्ग से हैं। वहीं विधान परिषद में भाजपा के 79 सदस्य हैं, जिनमें 26 ओबीसी, 23 राजपूत, 14 ब्राह्मण, 12 अन्य सवर्ण, दो मुस्लिम और दो एससी वर्ग के सदस्य शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार में इन्हीं सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर नए चेहरों को शामिल किया गया है।

आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी, अखिलेश ने कसा तंज

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बयान दिया है। उन्होंने तंज भरे लहजे में एक्स पर बयान दिया कि आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी।

उन्होंने एक्स पर दिए गए बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार पर जनता के विचार और सवालः- उप्र में मंत्रिमंडल में केवल 6 रिक्तियाँ हैं, इससे ज़्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाज़ा जाएगा?

क्या उनमें से सबसे कमज़ोर को चुना जाएगा जिससे कि उसकी कमज़ोरी कुछ कम हो जाए?

एक समाज के कई विधायकों में से किसी एक को चुना जाएगा तो चुनने का आधार क्या होगा?

अगर ऐसा हुआ तो बाक़ी दल-बदलुओं का क्या होगा?

उनकी उपेक्षा व अपमान को क्या कुछ ले-देकर शांत करा जाएगा?

या उन्हें भी ये अहसास करा दिया जाएगा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है?

बाक़ी छूटे हुए लोग क्या अपने को ठगा सा महसूस नहीं करेंगे?

वो अपने चुनाव क्षेत्र में मुँह दिखाने लायक बचेंगे क्या?

इसके अतिरिक्त प्रश्न ये भी है कि उनके अपने दल के जो लोग मंत्री बनने के इंतज़ार में सूखकर काँटा हो गये हैं, उन बेचारों का क्या होगा?

जिन वर्तमान मंत्रियों के विभाग कम किये जाएंगे तो क्या इससे जनता के बीच ये संदेश नहीं जाएगा कि वो नाकाम रहे, इसलिए उनसे मंत्रालय छीन लिया गया है?

ऐसे मंत्री तो बिना लड़े ही क्या अपना चुनाव हार नहीं जाएंगे?

साथी दलों को प्रतीक्षा के स्थान पर और कुछ मिलेगा या फिर उनको ये कहकर उपेक्षित कर दिया जाएगाज़ तुम थे जिनके सहारे, वो हुए न तुम्हारेज़

वो तो ठग हैं पुरानेज़ तुम ये सच न जानेज़

और हां जनता ये भी पूछ रही है कि आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी। ये भी केवल वही करेंगे जो भाजपा सरकार ने किया है

जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

» बीपीएस न्यूज

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने आज तमिलनाडु की बागडोर संभाल ली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आज सुबह करीब 10 बजे भव्य समारोह में तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने टीवीके प्रमुख विजय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

विजय के शपथ ग्रहण करते ही पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट और नारों से गूंज उठा। विजय के शपथ लेने के बाद एन. आनंद, आदव अर्जुना, अरुणराज, सेंगोट्टैयन, वेंकटरमणन, निर्मलकुमार, राजमोहन, डी.के. प्रभु और कीर्तना ने मंत्रियों के रूप में शपथ ग्रहण की।इस समारोह में विजय के परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। तमिलनाडु की राजनीति में वर्ष 2026 को एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में तमिल थाई वंदना गीत की बजाय पहले वंदे मातरम और फिर राष्ट्रगान बजाया गया। इसके बाद तमिल थाई वंदना प्रस्तुत की गई।गौरतलब है कि तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रम सामान्यतः तमिल थाई वंदना से शुरू होकर राष्ट्रगान के साथ समाप्त होते हैं, लेकिन इस समारोह में क्रम बदला हुआ दिखाई दिया। इसी के साथ राज्य की दो प्रमुख पार्टियों डीएमके और एआईएडीएमके के लगभग छह दशक से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया है। विजय गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। इसमें कांग्रेस एक सहयोगी के रूप में शामिल है।

ममता का महागठबंधन कार्ड :भाजपा को रोकने के लिए वामपंथियों और विरोधियों से मांगी मदद

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के बाद अब तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा के खिलाफ आर-पार की जंग का एलान कर दिया है। शनिवार को कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित रवींद्र जयंती कार्यक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव चलते हुए वामपंथी, अति-वामपंथी और तमाम राष्ट्रीय दलों को भाजपा विरोधी एक साझा मंच पर आने का खुला न्योता दिया। रबींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर के समक्ष खड़े होकर उन्होंने बेहद गंभीर लहजे में कहा कि वर्तमान दौर में लोकतंत्र को बचाने के लिए मतभेदों को किनारे रखना होगा, क्योंकि दुश्मन का दुश्मन ही अब हमारा सबसे बड़ा मित्र है।चुनाव परिणामों पर पहली बार इस तरह हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह लड़ाई असल में तृणमूल ने जीती थी, लेकिन षड्यंत्र के तहत उन्हें हराया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में इस चुनाव का सच जनता के सामने जरूर आएगा। गौरतलब है कि इस बार भाजपा ने 207 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की है, जबकि तृणमूल 80 सीटों पर सिमट गई है। वोट प्रतिशत का हवाला देते हुए ममता ने संकेत दिया कि 40.80 प्रतिशत जनादेश उनके साथ है, जो एक बड़ी चुनौती पेश करने के लिए पर्याप्त है।ममता बनर्जी ने वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में सत्ता बदलते ही तृणमूल समर्थकों पर बेलगाम हिंसा का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि आज राज्य में आतंक का माहौल है। मेरे और अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर लगातार हंगामा किया जा रहा है, बच्चों तक को नहीं बख्शा जा रहा।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके कार्यक्रम को रोकने के लिए बाधाएं खड़ी की गईं, सजावट करने वालों को धमकाया गया और उन्हें खुद चौकियां खरीदकर और साउंड सिस्टम का इंतजाम कर कार्यक्रम करना पड़ा। ममता ने आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा हटा ली गई है और कुछ समय के लिए उनका इंटरनेट तक बंद कर दिया गया था।

अपनी अपील को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाते हुए ममता ने खुलासा किया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे समेत उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं ने उनसे बात कर अपना समर्थन जताया है। उन्होंने कहा कि जो भी दल भाजपा के खिलाफ इस लड़ाई में साथ आना चाहता है, वह उनसे सीधे संपर्क कर सकता है। वहीं, ममता की इस अपील पर माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने तंज कसते हुए रवींद्रनाथ टैगोर की पंक्तियां-%जीवन जब सूख जाए, करुणाधारा बनकर आओ% उद्धृत कर राजनीतिक गलियारों में चर्चा छेड़ दी है।

हिंसा से प्रभावित अपने कार्यकर्ताओं के लिए ममता ने एक राहत कोष बनाने की घोषणा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीड़ितों को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ उनके कानूनी मामलों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता और वकील कल्याण बनर्जी संभालेंगे। उन्होंने अपनी कार्यशैली की तुलना करते हुए कहा कि 2011 में जब उन्होंने बुद्धदेव भट्टाचार्य से सत्ता ली थी, तब उन्होंने उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी और जेड प्लस सुरक्षा दी थी, लेकिन आज की सरकार बदले की भावना से काम कर रही है।

बेंगलुरु में बड़ी सुरक्षा चूकः पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल के पास मिली विस्फोटक सामग्री, पुलिस जांच में जुटी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। रविवार को बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। उनके मुख्य कार्यक्रम स्थल के पास जिलेटिन की दो छड़ें मिलीं।बेंगलुरु के सेंट्रल रेंज के डीआईजी के अनुसार, ये विस्फोटक सामग्री रविवार सुबह सुरक्षा जांच के दौरान मिली। यह जगह उस कार्यक्रम स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर थी, जहां प्रधानमंत्री को पहुंचना था।अधिकारी ने बताया, जांच के दौरान फुटपाथ के किनारे जिलेटिन की दो छड़ें मिलीं। यह जगह मुख्य कार्यक्रम स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर है, जहां पीएम मोदी को पहुंचना था। आगे की जांच चल रही है।यह घटना खुफिया एजेंसियों द्वारा दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखे जाने के एक दिन बाद हुई है। एजेंसियों को संभावित आतंकी खतरे के बारे में इनपुट मिले थे, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने कई संवेदनशील जगहों पर निगरानी बढ़ा दी थी।एक अधिकारी ने बताया, पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे संवेदनशील इलाकों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि, लावारिस वस्तुओं और खड़ी गाड़ियों पर कड़ी नजर रखें।

आत्मघाती हमले से दहला पाकिस्तानः विस्फोटक से भरी गाड़ी चेकपोस्ट से टकराई, 15 पुलिसकर्मियों की मौत; कई घायल

» बीपीएस न्यूज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बन्नू में शनिवार रात एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से भरी गाड़ी पुलिस चेकपोस्ट से टकरा दी। इस हमले में 15 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और तीन घायल हुए। धमाका इतना तेज था कि चेकपोस्ट पूरी तरह तबाह हो गया और आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचा।

पाकिस्तान के बन्नू जिले में शनिवार देर रात एक भीषण आत्मघाती हमला हुआ। मामले में एक आत्मघाती हमलावर ने बारूद से भरी अपनी गाड़ी को फतेह खेल पुलिस चेकपोस्ट में दे मारी। इस जोरदार धमाके में 15 पुलिसकर्मियों की जान चली गई और तीन अन्य जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है। धमाका इतना जोरदार था कि पुलिस चेकपोस्ट पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। बन्नू के डीआईजी सज्जाद खान ने बताया कि विस्फोट से भारी तबाही हुई और कई जवान मलबे के नीचे दब गए। बचाव दल ने रात भर चले अभियान के बाद मलबे से तीन पुलिस अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को तुरंत जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डीआईजी ने जाकर उनके इलाज का जायजा लिया।अधिकारियों ने मृतक जवानों की पहचान कर ली है। इनके नाम रहमत अयाज, सनाउल्लाह, नियाज अली, हबीब, सादुल्लाह जान, कामरान (पुत्र खान सिकंदर), एक अन्य कामरान, नूरुल्लाह, आबिद जानी, इमरान, कलीमुल्लाह, सादिकुल्लाह, मुनीर आलम खान, राहतुल्लाह खान और फारूक हैं। घायल जवानों के नाम मुजरिम फिरोज, हयातुल्लाह और कदरुल्लाह बताए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज जिले के दूर-दराज के इलाकों तक सुनी गई। धमाके से आसपास के घरों और नागरिक इमारतों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। चश्मदीदों का कहना है कि धमाके की वजह से कई घरों की छतें गिर गईं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस हमले की कड़ी निंदा की है।

60 लाख में बिका कृषि विज्ञान का पेपर

» पूर्व आरपीएससी सदस्य समेत तीन गिरफ्तार, एसओजी के खुलासे से मचा हड़कंप

» बीपीएस न्यूज

जयपुर । राजस्थान में वर्ष 2022 की प्राध्यापक/स्कूल व्याख्याता (कृषि विज्ञान) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ा खुलासा करते हुए तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फर्जी डिग्री, बैकडेट मार्कशीट और लीक प्रश्नपत्रों के जरिए अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दिलाने का खेल रचा था।एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय से बैकडेट में बीएड और एमएससी एग्रीकल्चर की फर्जी मार्कशीट तैयार कर अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में अवैध लाभ पहुंचाया गया।इस मामले में 5 मार्च 2026 को एसओजी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सबसे पहले अनिता चौधरी का नाम सामने आया, जो फागी के एक सरकारी विद्यालय में कृषि विज्ञान व्याख्याता के पद पर कार्यरत थी। जांच में पाया गया कि उसने फर्जी एमएससी एग्रीकल्चर मार्कशीट के आधार पर नौकरी हासिल की थी। पूछताछ से बचने के लिए उसके फरार होने के बाद मामला और गंभीर हो गया।ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से फर्जी मार्कशीट तैयार होती थीइसके बाद एसओजी ने सीकर जिले के श्रीमाधोपुर क्षेत्र के दिवराला स्थित राजकीय विद्यालय में कार्यरत कृषि विज्ञान व्याख्याता अशोक कुमार यादव को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि उसने भी ओपीजेएस विश्वविद्यालय से फर्जी बीएड और एमएससी एग्रीकल्चर की अंकतालिकाएं तैयार करवाई थीं। आवश्यक योग्यता नहीं होने के बावजूद उसने गलत जानकारी देकर आवेदन किया और भर्ती परीक्षा की मेरिट में तीसरा स्थान हासिल कर लिया।जांच में यह भी सामने आया कि अशोक यादव की शैक्षणिक क्षमता सामान्य थी। सामान्य ज्ञान के पेपर में उसे 150 में से केवल 68 अंक मिले, जबकि कृषि विज्ञान विषय में 300 में से 239 अंक हासिल हुए।

बदरीनाथ हाईवे पर हादसाः हरिद्वार जा रही तीर्थयात्रियों की बस सड़क पर पलटी 27 लोग थे सवार, मची चीख पुकार

» बीपीएस न्यूज

ऋषिकेश । बस बदरीनाथ से हरिद्वार जा रही थी। चलते-चलते ड्राइवर की साइड की खिड़की खुल गई। उसे बंद करने के दौरान बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। बदरीनाथ हाईवे पर चारधाम यात्रा से लौट रहे यात्रियों की एक बस रविवार शाम मुनिकीरेती थाना अंतर्गत शिवपुरी क्षेत्र में हाईवे पर पलट गई। हादसा शिवपुरी के पास कलथरी डंपिंग प्वाइंट नजदीक हुआ। बस में ड्राइवर-कंडक्टर समेत 25 यात्री, ड्राइवर और कंडक्टर सवार थे। हादसे में सात यात्री घायल हो गए। अन्य सुरक्षित हैं। पुलिस के अनुसार, बस (च14क्क0605) बदरीनाथ से हरिद्वार जा रही थी। चलते-चलते ड्राइवर की साइड की खिड़की खुल गई। उसे बंद करने के दौरान बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में सात लोग घायल हो गए। 108 एंबुलेंस से उन्हें राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश भेजा गया।

बस में सवार बाकी यात्रियों को मामूली खरोंचें आईं, सभी सुरक्षित हैं। थाना मुनि की रेती पुलिस मौके पर पहुंच गई है। यातायात सुचारू कराया जा रहा है।

एल्विश यादव को लॉरेंस बिश्नोई की धमकी

» गैंग ने फोन कर मांगे 10 करोड़, दी दो दिन की मोहलत

» बीपीएस न्यूज

गुरुग्राम । बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव को 10 करोड़ रुपये की फिरौती की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें एक विदेशी व्हाट्सएप नंबर से दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को रणदीप मलिक बताया और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंध होने का दावा किया।पुलिस ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। यादव के परिवार ने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर उन्हें दो दिन के भीतर गोली मारने की धमकी दी गई है। यादव की शिकायत पर सेक्टर 56 पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने बताया कि उन्हें 5 मई को विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था, जिसका वह जवाब नहीं दे पाए।बाद में उन्हें उसी नंबर से धमकी भरा संदेश मिला। संदेश में रणदीप मलिक ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का करीबी बताया। उसने दो दिन में 10 करोड़ रुपये की मांग की और भुगतान न करने पर गोली मारने की धमकी दी। यह धमकी भरा संदेश उनके पिता के मोबाइल नंबर पर भी भेजा गया था। मामला क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है और कॉल के स्रोत का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।यादव वर्तमान में लाफ्टर सेफ नामक एक शो की शूटिंग के लिए गुरुग्राम से बाहर हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर यादव ने 2023 में बिग बॉस ओटीटी का दूसरा सीजन जीता था। वह हाल के वर्षों में कई कारणों से खबरों में रहे हैं। पिछले अगस्त में, उनके सेक्टर 56 स्थित आवास के बाहर अज्ञात बंदूकधारियों ने दो दर्जन से अधिक गोलियां चलाई थीं।

अपनी बात....

संपादकीय ....

दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वत÷ ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है? इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है?

टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

क्षमा शर्मा

टीवीके की सफलता के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इन्हें नेताओं की जवाबदेही को भी समझना...टीवीके की सफलता के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इन्हें नेताओं की जवाबदेही को भी समझना होगा। समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा के नायकों की तरह खासतौर से नहीं।तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव-परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों-रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है।तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे-कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफ़ाइनल जैसा लगता है। शायद साल-दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें।

टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं।तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नज़र में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक-परिपक्वता नहीं।राज्य के मतदाता सत्ता-विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है।टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआइ, सीपीआई-एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता-आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं।भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी।वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। एजीपी ने 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद असम आंदोलन से जुड़े स्वतंत्र प्रतिनिधियों के समर्थन से सरकार बनाई थी।1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं। कुछ को समय लगा, जबकि कुछ विफल हो गए। पिछले साल बिहार में जन सुराज पार्टी के साथ ऐसा ही हुआ। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्काल नीधि मय्यम भी ऐसी ही एक पार्टी है।बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व वाली प्लूरल्स पार्टी जैसी कई छोटी-छोटी नवगठित पार्टियां हैं। वहीं, जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं और वे कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। उ.प्र. में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) जैसी पार्टियां हैं, पर ज्यादातर सीमित जातीय क्षेत्र होने के कारण बड़े स्तर पर जगह नहीं बना पाईं। इस किस्म के प्रयासों की संख्या बहुत बड़ी है।देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मई, 2026 तक इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी इस श्रेणी में शामिल हैं। मान्यता चुनावी प्रदर्शन के आधार पर मिली है।जहां कांग्रेस का उदय स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ, वहीं भाजपा, माकपा, बसपा और 'आप' का उदय उनकी राजनीतिक गतिविधियों के सहारे हुआ। एनपीपी मुख्यतः मेघालय की पार्टी है, जिसका गठन पीए संगमा ने 2013 में किया था। टीवीके की तुलना 1982 में आंध्र प्रदेश में उभरी तेलुगु देशम से की जा सकती है, जिसके पीछे फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव की लोकप्रियता थी।वर्ष 1972 में एमजी रामचंद्रन द्वारा स्थापित अन्ना द्रमुक वस्तुतः द्रमुक से टूटकर उसके ही विकल्प के रूप में बनी थी। एमजीआर के बाद इसे जयललिता जैसा नेतृत्व मिला। इस तथ्य पर भी ध्यान दें कि तमिलनाडु की द्रविड़-राजनीति में सिनेमा के कलाकारों की जबर्दस्त भूमिका रही है।

पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस, ओडिशा की बीजू जनता दल और तेलंगाना की एआईएमआईएम जैसी पार्टियां जो क्षेत्रीय स्तर पर शक्तिशाली बनकर उभरी हैं, उन्हें या तो किसी ऐसे जाने-माने राजनीतिक नेता के नेतृत्व में सफलता मिली है, जिन्होंने मूल पार्टी से अलग होकर पार्टी बनाई (ममता बनर्जी), या फिर पारिवारिक साख (नवीन पटनायक और असदुद्दीन ओवैसी) के कारण। हालांकि, एआईएमआईएम का गठन काफी पहले हुआ था, लेकिन ओवैसी के नेतृत्व में इसे लोकप्रियता मिली।

हज़ारो साल के इतिहास वाले भारत मे स्वतंत्रता

निर्दोष लोगो के हत्या की जवाबदेही तय हो!

राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

चुनाव हारने के एवज में पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बना दिया गया, वहां 4 मई के बाद से जो हिंसा शुरू हुई वह भाजपा के बड़े नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद भी आगे बढ़ती नजर आ रही इसके लिए अब न्यायपालिका की जवाबदेही तय होनी चाहिए। न्यायलयी प्रक्रिया में न्याय के लिए एक निश्चित समय की मांग पहले से उठती रही है। मुकदमे अनगिनत तारीखों पर वकीलों के कमाने का जरिया बनते जा रहे। जनता न्यायतंत्र से उबने लगी है और हत्याएं इसलिए भी बढ़ रही की मुजरिमो को लगता है कि फैसला जल्दी आएगा नहीं और मुकदमा लड़ते लड़ते सामने वाला खुद पस्त हो जायेगा। इसके बावजूद कोर्ट में लाखों सामान्य मुकदमे वर्षों से चल रहे। बंगाल में 2.4 लाख अर्धसैनिक बलों की तैनाती है, तमाम बंदरबख्त गाड़ियां और 100 से अधिक इनकाउंटर स्पेशलिस्ट पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे है।

एक बार्डर स्टेट को चुनाव के चक्कर में टीएमसी आप कांग्रेस इत्यादि द्वारा अशांत प्रदेश बना दिया गया है, बार्डर स्टेट चाहें पंजाब, अरुणाचल प्रदेश हो पश्चिम बंगाल कोई भी यदि अस्थिर रहे तो यह देश के लिए उचित नहीं होगा और पड़ोसी ताकते हावी हो जाएंगी। इसके बावजूद कि भारत के पड़ोसियों से संबंध कटुता की सीमा पार कर चुके हैं अपनी पार्टी को जिताने की सनक में उसे अस्थिर कर देना देश विरोधी काम है।

धर्म के आधार पर चुनाव जीतने का आरोप झेल चुकी भाजपा का हाल यह है कि मंदिरों की भूमि तमिलनाडु में भाजपा को सफलता ही नहीं मिल पा रही अर्थात चुनाव अब केवल बाहुबल का खेल है। तमिलनाडु में 38,000 से अधिक मंदिरों और 90त्न हिंदू आबादी है। इतने प्रचंड मंदिरो वाले तमिलनाडु में भाजपा का दबदबा कायम नहीं है। 46 वर्षों के बाद भी, पार्टी हालिया चुनावों में एक भी सीट हासिल करने में विफल रही, जिससे यह साबित होता है कि दक्षिण की राजनीति का स्वरूप बिल्कुल अलग है।

इसका कारण लेफ्ट का प्रभाव और द्रविड़ पहचान की गहरी जड़ें हैं। तमिलनाडु में आस्था और राजनीति अलग-अलग क्षेत्रों में हैं; हालांकि लोग अत्यधिक धार्मिक हैं, उनकी राजनीतिक निष्ठा सामाजिक न्याय, भाषाई गौरव और आत्मसम्मान आंदोलन की विरासत से जुड़ी है। शोध से पता चलता है कि यहां के मतदाता केंद्रीकृत राष्ट्रवादी विचारधारा की तुलना में क्षेत्रीय स्वायत्तता और ÷तमिल पहचान÷ को प्राथमिकता देते हैं, जो भारत के अन्य हिस्सों में लोगों का दिल जीत लेती है।

यह एक दिलचस्प उदाहरण है कि कैसे सांस्कृतिक गौरव धार्मिक जनसांख्यिकी पर भारी पड़ सकता है। क्या इसका मतलब यह है कि द्रविड़ बहुल क्षेत्र में ÷कमल÷ कभी नहीं खिलेगा, या भविष्य में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव होने वाला है। बंगाल में, वहां की जनता को वोट के लिए भड़काया गया है, उग्रता फैलाई गई है, गृहमंत्री अमित शाह कहते हैं टीएमसी के गुंडे है, उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे। इस पर जहांगीर और सयोनि भड़काऊ स्पेशलिस्ट तो वहां लगातार भड़काऊ बयान देते रहे और ऊपर से ममता के खुद लगातार भड़काऊ बयान आते रहे है।

देश के संवैधानिक पदों पर बैठे लोग सिर्फ चुनाव जीतने के लिए देश में गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार कर रहे हैं।? जिन लोगों पर देश में शांति व्यवस्था बनाए रखने की ज़िम्मेदारी है वह देश के एक प्रदेश को सिर्फ पोलराइजेशन और चुनाव के लिए अशांत कर रहें हैं, वहां के लोगों को भड़का रहें हैं। वहां की जनता चुनाव परिणाम के बाद नहीं भड़की है बल्कि गुंडे भड़क गए है। आराजकता भड़क गई, मारकाट कर रही है , सैकड़ों वीडियो वायरल हैं, और सुभेंदु अधिकारी को भी इसका दंश? झेलना पड़ा, उनका सबसे प्रिय निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस सबके बावजूद कोई कुछ नहीं कह रहा है, मीडिया इस पर चुप है, और न्यायालय से तो अब कोई उम्मीद ही बेकार है, अपना समय और पैसे खराब करना मतलब न्यायालय जाओ। किसी सरकार का बहुमत अब सदन में नहीं राज्यपाल के आदेश से तय होगा, तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, थलपति विजय से कह रहे हैं कि 113 नहीं 118 विधायकों के समर्थन की सूची दो तब सरकार बनाने का न्योता मिलेगा बात सही है।

जबकि इसी देश में परंपरा रही है सबसे बड़े दल को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने की जिस पर ममता का स्तिफे से इंकार के बाद लोग संविधान के निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे। अटल बिहारी वाजपेई की 13 दिन, 13 महीने की सरकार भी ऐसे ही बनी थी मगर तब लोकलाज था अब थेथरई और गुंडागर्दी। सरकार बनाता देख थलपति विजय के पक्ष में कांग्रेस नें रास्ता खोल दिया गया है जल्दी ही विजय भी भाजपा के चपेट में दिखाई देंगे और चुनाव पहले भी आते जाती रहें हैं, मगर अब जैसे युद्ध लड़ा जा रहा है, सत्ता दल के नेताओं और विपक्षी दल के नेताओं के बीच संवाद खत्म हो गया है, नरेंद्र मोदी का राहुल गांधी को नमस्ते करना हेडलाइन की सुर्खियां बन गयी हैं। हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों को एक एक करके छीना जा रहा है, बात बात पर मार डाला जा रहा है, यह सब चुनाव जीतने के लिए हर जगह एक बड़ा खलनायक बना कर उसपर आक्रमण करने का परिणाम है।

पश्चिम बंगाल में जिस अजय पाल शर्मा को खलनायक बनाया गया, हैरानी की बात है कि उसका कोई ख़राब बैकग्राउंड है ही नहीं ना उन पर एक भी अराजक आरोप .. अपने लोगों को एक नाम और समाज से डरा कर चुनाव जीता जा रहा था, जनहित के मुद्दे, नौकरी, मंहगाई और जीवन में खुशहाली के मुद्दे पर चुनाव लड़ना इतिहास की बात हो गई है। हज़ारो साल के इतिहास वाले भारत मे

÷स्वतंत्रता÷ के मात्र 79 साल में हम यहां तक पहुंच गये हैं, 1947 का ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल सच हो रहा है जिसने तब कहा था कि ब्रिटिश शासन हटने के बाद भारत में अराजकता, भ्रष्टाचार और टूट-फूट बढ़ेगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था टिक नहीं पाएगी। उस वक्त के एक बड़े ब्रिटिश लेखक रुडयार्ड किप्लिंग ने भारत को स्वतंत्र करने के विरोध में कहा था कि भारतीय चार हजार साल पुराने समाज के लोग हैं और स्वशासन के योग्य नहीं हैं। भारत में स्वतंत्रता अधिक दिन नहीं रहेगी÷ कांग्रेस समर्थक गलतफहमी में हैं। वह बीजेपी के उभार के लिए अन्ना हज़ारे जैसे आंदोलन को पानी पी पी कर गाली देते हैं (हालांकि उसके ही आस पास निर्भय रेप कांड पर चुप्पी साध लेते हैं) शायद उनके लिए वह भी फर्जी था !!

विपक्ष पन्द्रह सालों में अभी भी मोदी सरकार के खिलाफ एक भी घोटाला (अगर हुआ है) तो उजागर नहीं कर पाया। वह सिर्फ ट्रंप की बेतुका टिप्पणी पर लो लो को को कर रहा है। सत्ता पक्ष के खिलाफ कोई पुख्ता आधार न होकर उसका हो हल्ला आम जनता को खिसियानी बिल्ली से अधिक नहीं लग रहा है।

जनता अंधी नहीं है, मोदी के आगे पीछे कोई नहीं है। आज मोदी है कल बीजेपी में कोई और आ कर सिंहासन सम्भाल लेगा। अब बात होती है कि यूपीए क्यों सत्ता से बाहर हो गई ?

उस समय कांग्रेस ने स्वयं घोटालों की लड़ी लगा कर बीजेपी के हाथ में सत्ता दे दी। निरंकुश शासन था। गांधी परिवार का अपने नेताओं पर कोई कंट्रोल नहीं था (या सब उनके आंखों के नीचे हो रहा था) 2द्द घोटाला, कोलगेट घोटाला, कामनवेल्थ खेल, आदर्श घोटाला, सत्यम घोटाला एवं इत्यादि अनेकों घोटालों को लेकर ÷1.86 लाख करोड़ का अनुमानित घोटाला÷। जब आप घोटाला उजागर करते हो तब जनता की छाती पर आग लोटती है। उसको लगता है कि इन गुंडे और भ्रष्टाचारी नेताओं की वजह से ही उनका खर्चा बढ़ता जा रहा है। आम जनता गरीब हो रही है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

सी.एम. ग्रिड में हो रही धांधली के संबंध में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। क्षेत्रीय संयोजक राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीए के सुरेश गुप्ता के नेतृत्व में सोहेलदेव पार्टी के मोहम्मद उस्मान तथा अन्य पार्टी के पदाधिकारियों के साथ कानपुर नगर कोटिया और मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी सी.एम. ग्रिड में हो रही धांधली के संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से सौंप कर चर्चा की। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि कानपुर नगर में आपके द्वारा नगर के विकास वास्ते सी.एम.ग्रिड योजना के तहत नगर को 350 करोड़ रूपया 10 सड़कों का उच्चीकरण निर्माण हेतु दिया गया है कि नगर वासियों को अच्छी व जाम रहित सुविधा मिल सके और मरीजों के वास्ते एंबुलेंस आदि जाम में न फंसे परंतु इस आपकी महत्वाकांक्षी योजना को कानपुर नगर निगम के अधिकारी व ठेकेदार पलीता लगा रहे हैं। कहा गया कि नगर की महत्वपूर्ण सड़कों में जो काम कई माह से पूर्व प्रारंभ किया गया वह कछुआ चाल में गुणवत्ता विहीन चल रहा है, कंपनियां मनमानी ढंग से कार्य कर रही है जिससे सरकार की छवि खराब हो रही है ग्रीन पार्क से घंटाघर तक एक प्रोजेक्ट है जो पहले जनता के चलने वास्ते फुटपाथ थे और जनता चलती थी अब फुटपाथ काफी चौड़े किए गए हैं जिन पर पैदल चलना बंद हो गया है और अनाधिकृत कब्जे प्रारंभ हो गए हैं जिसमें मीट व खानपान की दुकान बना रही है और फुटपाथ पर कुर्सियां डालकर ग्राहकों को खिलाया जा रहा है।

सड़के जो चौड़ी होनी चाहिए वह सकरी हो गई है 14 मीटर की सड़क अब 9 मीटर की सड़क कर दी गई है जबकि शासन की मंशा रहती है कि सड़क चौड़ी हो और जाम न लगे यह सड़क ग्रीन पार्क से प्रारंभ होती है जहाँ अंतरराष्टीय क्रिकेट खेला जाता है और यह घंटाघर की ओर जा रही है घंटाघर का मतलब है कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड का पूरा लोड उस सड़क पर रहता है भीड़ काफी रहती है दिन में पैदल चलना भी दुबर रहता है फिर भी यह सड़क कम की जा रही है और फुटपाथ चौड़े किया जा रहे हैं नवीन मार्केट ऐतिहासिक मार्केट है वहां से ऐतिहासिक आनंदेश्वर मंदिर को जोड़ता है इस सड़क पर काफी ऑफिस स्कूल है स्कूल की 2 बस निकलेगी तो जाम लग जाएगा।

नगर निगम व जल निगम एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं क्योंकि वहां पर जल निगम की भी लाइन है और नगर निगम की भी नालियां है जब दोनों तरफ बन जाएंगे तो सड़क और कम हो जाएगी

अधिकारी तर्क देते हैं कि फुटपाथ चौड़ा हो जाएगा तो दुकान बना दी जाएगी जिससे कि सड़क खाली हो जाएगी या बिल्कुल सोच गलत है जहां-जहां फुटपाथ चौड़ा वही अतिक्रमण हो गया है इस प्रोजेक्ट को अप्रैल 2026 तक खत्म करना था वह अभी तक आधा भी नहीं बना है। स्वरूप नगर पुराना सेल टैक्स रोड कानपुर का पाँश इलाका कहा जाता है वहां पर काफी संख्या मैं शहर महत्वपूर्ण शहर वासी रहते हैं , चारों ओर खुदा पड़ा है।

आई.आई.टी. द्वारा कई कार्यो को दोषपूर्ण बताया गया है उनकी भी गुणवत्ता की जांच करा ले शहर का सुंदरीकरण वास्ते यह योजना है या नगर को जाम करने की योजना है जहां-जहां खुदाई हो वहां पर बैरिकेडिंग व हरा कपड़ा जाली वाला पड़ना चाहिए वह कुछ नहीं किया जा रहा है कहा गया कि आपसे अपेक्षा है कि इस महत्वाकांक्षी योजना की गुणवत्ता व संगठन द्वारा उठाए गए बिंदु पर उनकी उच्च स्तरीय जांच कराने का आदेश देने का कष्ट करें । जिलाधिकारी ने यह स्वीकार की फुटपाथ पर कोई भी दुकान नहीं लगेंगी जिलाधिकारी ने कहा जहां गड्ढे किए जाएंगे वहां पर बैरिकेडिंग और हरा कपड़ा डाला जाएगा जिससे गर्दा न उड़े और गुणवत्ता की जांच करने को भी कहा।

पनकी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 2 चोरों को किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एक अज्ञात चोरी के मामले में लिखे गए मुकदमे में खान पनकी की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है पुलिस द्वारा चोरों को पकड़ लिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 30 अप्रैल को पनकी मंदिर दर्शन करने गए प्रॉपर्टी डीलर की थार गाड़ी चोरों ने की थी चोरी। जिसका मुकद्दमा अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखाया गया था। प्रॉपर्टी डीलर ने पनकी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया। एक युवक कल्याणपुर के केशव पुरम का रहने वाला है दूसरा कर चौबेपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाला है। पुलिस ने कार्यवाही के बाद दोनो अभ्युक्तों को जेल भेज दिया।

पत्रकार कल्याण बोर्ड और सुरक्षा कानून की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब की टीम ने आज लखनऊ में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाक़ात की। इस दौरान पत्रकारों से जुड़ी समस्याओं और उनके निराकरण के लिए वार्ता की द्य मांग की कि पत्रकार कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए। इसमें वरिष्ठ अनुभवी पत्रकारों, इनके प्रमुख संगठनों के पत्रकार प्रतिनिधियों, सूचना सचिव, सूचना निदेशक और वरिष्ठ अधिकारियों को रखा जाए। यह बोर्ड नियमावली तय करे। पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए योजना बनाए, जिसे सरकार मान्यता दे। पत्रकार सुरक्षा कानून भी शीघ्र लागू किया जाए। इस बाबत कानपुर प्रेस क्लब की ओर से उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर प्रेस क्लब के महामंत्री शैलेश अवस्थी, उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत, मंत्री शिवराज साहू और रजत राजपूत मौजूद रहे।

फर्जीवाड़ा गिरोह का सरगना इनामिया महफूज अली उर्फ पप्पू छुरी हुआ गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फर्जी फर्म बनाकर लोगों को डरा-धमकाकर एवं उनके प्रपत्रों के आधार पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का सरगना एवं इनामिया अभियुक्त महफूज अली उर्फ पप्पू छुरी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बता दें कि फरवरी माह में हुई लूट की घटना के संबंध में पीड़ित पक्ष द्वारा तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई थी। तथापि पुलिस टीम द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर गहन जांच एवं सर्विलांस के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से लगभग ?11,00,000 की बरामदगी की गई। पूछताछ में महफूज उर्फ पप्पू चोरी गिरोह के मुख्य संचालक के रूप में सामने आए हैं, जो भोले-भाले लोगों के बैंक खाते खुलवाकर, लोन एवं बीमा दिलाने का झांसा देकर उनका दुरुपयोग करते थे। इनके द्वारा फर्जी जीएसटी फर्में भी पंजीकृत कराई गई थीं।पुलिस जांच में संबंधित 68 बैंक खातों में लगभग ?3000 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेनदेन पाए गए हैं। इस नेटवर्क के तार पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश से जुड़े पाए गए हैं, जिसकी गहन जांच की जा रही है। प्रकरण में जीएसटी एवं आयकर विभाग से भी समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि एपीएमसी प्रमाणपत्रों के माध्यम से भारी मात्रा में धन का अवैध ट्रांजेक्शन किया गया तथा धनराशि का संबंध स्लॉटर एवं स्क्रैप व्यवसाय से भी जुड़ा पाया गया है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने की समीक्षा बैठक दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

एक सप्ताह में स्मार्ट मीटर संबंधी समस्याओं के समाधान के निर्देश

किरायेदार सत्यापन अनिवार्य, ड्रोन संचालकों का भी हो सत्यापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मंत्री उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं जनपद के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बुधवार को सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में बिजली व्यवस्था, कानून व्यवस्था, लंबित विवेचनाओं और प्रमुख विकास परियोजनाओं को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। विकास कार्यों में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को चेतावनी भी दी गई। प्रभारी मंत्री ने विद्युत व्यवस्था की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि प्रीपेड स्मार्ट मीटरों से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण करते हुए नियमानुसार उन्हें पोस्टपेड व्यवस्था में परिवर्तित करने की कार्रवाई एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मियों में जनता को बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलनी चाहिए। खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलने और विद्युत आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के समयबद्ध समाधान के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने केस्को की केंद्रीकृत व्यवस्था के स्थान पर सभी विद्युत उपकेंद्रों पर शिकायत निस्तारण केंद्र स्थापित करने पर जोर दिया, जिससे लोगों को स्थानीय स्तर पर ही राहत मिल सके।माननीय प्रभारी मंत्री ने निर्देशित किया कि जनपद के समस्त सरकारी चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों की औसत ओपीडी देखी जाए जिससे पता चल सके कि कौन सा डॉक्टर काम कर रहा है और कौन सा नहीं। सरकारी डॉक्टर किसी भी दशा में अपना निजी अस्पताल संचालित ना करें। यदि ऐसा प्रकरण संज्ञान में आएगा तो सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सभी मकान मालिक अपने किरायेदारों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराएं। उन्होंने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए गर्ल्स कॉलेज, छात्रावास और अन्य संवेदनशील स्थलों पर पुलिस की प्रभावी मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एंटी रोमियो स्क्वायड को अधिक सक्रियता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही वर्ष 2025 से पूर्व लंबित मामलों की विवेचना शीघ्र पूरी करने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। प्रभारी मंत्री ने ड्रोन संचालकों का भी सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष नजर रखी जाए।

नगर विकास कार्यों की समीक्षा में मैनावती मार्ग के सुदृढ़ीकरण कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा और सभी परियोजनाएं गुणवत्ता एवं तय समय सीमा के भीतर पूरी होनी चाहिए।

यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी

बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि कानपुर महानगर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक एवं शहरी केंद्रों में शामिल है और कई क्षेत्रों में जनपद ने बेहतर कार्य किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

बैठक में महापौर प्रमिला पांडेय, सांसद रमेश अवस्थी, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सरोज कुरील, विधायक सुरेंद्र मैथानी, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, ज्वाइंट सीपी संकल्प शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जैन, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, केडीए उपाध्यक्ष समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा किया गया मुख्य स्थानों का निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात श्री रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना के अंतर्गत शहर के प्रमुख स्थानों हैलेट अस्पताल मार्ग, कार्डियोलॉजी मार्ग, गंगा बैराज एवं गोल चौराहा का भौतिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त द्वारा यातायात व्यवस्था सड़क पर वाहन दबाव अवैध पार्किंग ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन सड़क किनारे अतिक्रमण तथा प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया।उपायुक्त द्वारा द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात को सुगम सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। हैलेट अस्पताल मार्ग एवं कार्डियोलॉजी मार्ग के आसपास मरीजों एवं तीमारदारों की अधिक आवाजाही को दृष्टिगत रखते हुए अवैध पार्किंग हटाने ई-रिक्शा एवं ऑटो के लिए निर्धारित स्टॉप चिन्हित करने तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।अस्पताल क्षेत्रों में एम्बुलेंस आवागमन को प्राथमिकता देने हेतु विशेष यातायात प्रबंधन लागू करने पर भी बल दिया गया। बताया गया कि उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

कानपुर को स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए 'सिटी हेल्थ एक्शन प्लान' (CHAP) का आगाज़

» बहु-विभागीय समन्वय से तैयार होगा अनूठा मॉडल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर को एक स्वस्थ और रोग-मुक्त शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला प्रशासन और (जॉन स्नो इंडिया) के सहयोग से एक भव्य 'को-क्रिएशन वर्कशॉप' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर एक समावेशी 'सिटी हेल्थ एक्शन प्लान' तैयार करना है।बहु-हितधारक भागीदारी और अनूठा मॉडल-यह मॉडल अपनी तरह का एक अनूठा प्रयास है जिसे छ्वस्ढ्ढ के तकनीकी सहयोग से तैयार किया जा रहा है। इसमें विभिन्न विभागों के ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं, मध्यम स्तर के अधिकारियों और उच्च अधिकारियों ने एक साथ बैठकर कार्य कलाप को सह-

डिज़ाइन किया है। इस कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के तत्वधान में नगर निगम स्थानीय निकायों, बेसिक शिक्षा विभाग, (आंगनवाड़ी) तथा समाज कल्याण विभाग के उच्च अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी का संबोधन जवाबदेही और प्रदर्शन पर ज़ोर - कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि 'सिटी हेल्थ प्लान' की अवधारणा को अन्य सभी हितधारकों, विशेष रूप से नगर निगम के 6 -जोनल अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से धरातल पर उतारा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कियोजना के तहत तय किए गए संकेतकों की नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों और ज़ोन को सम्मानित किया जाएगा, जबकि खराब प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों के खिलाफ जवाबदेही तय करते हुए दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। प्रत्येक विभाग से नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे जो समय सीमा के भीतर गतिविधियों की डिलीवरी सुनिश्चित करेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी का मार्गदर्शन अभिनव जे. जैन ने विभिन्न समूहों के साथ चर्चा में भाग लिया और उन्हें मापने योग्य संकेतकों तथा अन्य विभागों के सहयोग से की जाने वाली गतिविधियों व उप-गतिविधियों को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

विशेषज्ञों के विचार और भावी रणनीति कार्यशाला की शुरुआत में प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. आयुषी और स्टेट टीम लीड डॉ. आशीष मौर्य ने इस अवधारणा का परिचय दिया और बताया कि कैसे 13 विभागों को 4 मुख्य घटकों–टीबी उन्मूलन, टीकाकरण, वेक्टर जनित रोग और गैर-संचारी रोग –के लिए एकीकृत किया गया है।

भाजपा सांसद ने किया जरीब चौकी ओवरब्रिज का शिलान्यास निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए लग जायेंगे दो साल

» निर्माण कार्य के चलते आने वाली विभागीय बाधाओं को किया जायेगा दूर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जरीब चौकी चैराहे पर फोरलेन सेतु निलर्माण का भूमिपूजन कार्यक्रम भाजपा सांसद द्वारा शिलान्यास के साथ सम्पन्न हुआ। इस ओवर ब्रिज की मांग काफी समय से शहर के लोगों की आवश्कता बनी हुई थी। लबें समय से जाम की समस्या से जूझ रहे इस क्षेत्र में यह पुल लोगों को राहत पहुंचायेगा, साथ ही साथ जब यहां जाम नही लगेंगा, जिसके कारण अन्य सडकों पर भी दबाव कम रहेगा। 1769 मीटर लंबे आरओबी बनाने के लिए 320:60 करोड रूपये बजट स्वीकृत हुआ है। और इसके निर्माण के लिए अक्टूबर में ही टेंडर आवंटित हो गया था। शिलान्यास के साथ सम्बन्धित विभागों को जल्द से जल्द कार्य पूरा कराने का भी दबाव बना रहेगा।

यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी

जीरब चौकी चैराहे पर रेलवे क्रासिंग के चलते लोगों को हर रोज घंटो जाम से जूझना पडता है और यहां एक आवेरब्रिज की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। शहर के लोगों का इंतजात खत्म हुआ और आठ मई को इस ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए सीसामऊ थाने के साथ भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। कल भाजपा सांसद रमेष अवस्थी ने शिलान्यास किया और उन्होने कहा कि इस ओवरब्रिज के बनने से कानपुर की जनता को सुगम यातायात में आसानी होगी साथ ही शहर को जाममुक्त बनान उनकी प्राथमिकताआं में शामिल है। इस पुल के बनने से यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को रोजना लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। बता दे कि बीत वर्ष अक्टूबर में ही हिलवेज कंस्ट्रेशन कंपनी को टेंडर आवुंटित कर दिया गया था, लेकिन लाइन विभागें के द्वारा काम षुरू कराने में देर हो गये। भूमि पूजन के बाद सभी सम्बन्धित विभागो से बात की जोगी और जल्द से जल्द पुल निर्माण के कार्य को पूरा कराने का प्रयास किया जायेगा।

शुक्रवार को जरीब चौकी में भूमि पूजन के कार्यक्रम को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया था। यह बदलाव सुबह 10 बजे से कार्यक्रम के समापन पर लागू रहा और किसी प्रकार की जनता को असुविधा न हो इसके लिए पुलिस ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम के नम्बर भी जारी किए थे। यातायात बदलाव में बजरिया की तरफ से आने वाले वाहनो को रामबाग चैराहे से ब्रम्हनगर की ओर मोड दिया गया तो वहीं फजलगंज से आने वाले वाहन को घंटाघर की ओर जाने नही दिया गया, उन्हे जरीब चैकी चैराहे से अफीम कोठी की ओर जाने दिया गया। इसी प्रकार गोल चैराहे से जरीब चैकी की ओर आने वाले वाहनो को भी अफीम कोठी की ओर भेजा गया।

घंटाटर चैराहे से आने वाले वाहनो को भी संगीत टाकीज तिराहे से मोडकर आचार्य नगर से निकाला गया, जिससे वाहन चालको को कुछ परेशानी का भी सामना करना पडा। कार्यक्रम के उपरान्त यातायात सामान्य कर दिया गया।

जनसमस्या को लेकर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने नगर विकास मंत्री से की भेंट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र की वर्षों पुरानी एवं गंभीर जनसमस्या को लेकर आज गोविंद नगर के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजर रहे विशालकाय खुले रफाका नाले को ढककर अंडरग्राउंड किए जाने एवं उसके ऊपर सड़क निर्माण कराए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।विधायक सुरेंद्र मैथानी ने मंत्री जी को अवगत कराया कि रफाका नाला मसवानपुर सराय चौराहा (आवास विकास-3) से प्रारंभ होकर विजय नगर, सी.टी.आई. चौराहा, बर्रा-8, तात्या टोपे नगर होते हुए पांडु नदी में जाकर मिलता है। यह नाला न केवल गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र बल्कि कानपुर नगर के अन्य कई क्षेत्रों का भी मुख्य जल निकासी मार्ग है। वर्तमान में नाला पूरी तरह खुला होने के कारण क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से मसवानपुर से विजय नगर चौराहा एवं सी.टी.आई. चौराहे से एन.एच.-2 हाई बाईपास तक नाले की स्थिति अत्यंत भयावह एवं खतरनाक बनी हुई है।

खुले नाले से लगातार उठने वाली दुर्गंध एवं जहरीली गैसों के कारण आसपास निवास करने वाले लाखों लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। यह भी बताया कि खुले नाले के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कहा कि यह समस्या केवल जनस्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे कानपुर महानगर की छवि पर भी एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। ज्ञापन में उल्लेख किया कि कानपुर नगर में पूर्व में बर्रा विश्व बैंक क्षेत्र एवं सी.ओ.डी. क्रॉसिंग पर स्थित बड़े नालों को ढककर अंडरग्राउंड किया गया तथा उनके ऊपर सड़क निर्माण कर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया गया है।उसी मॉडल पर रफाका नाले को भी ढक दिया जाए। नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने विषय को गंभीर एवं जनहित से जुड़ा बताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक परीक्षण एवं कार्यवाही के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नागरिकों की सुरक्षा, स्वच्छता एवं बेहतर शहरी सुविधाओं के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया शुभारम्भ

» जिला जजअनमोल पाल की अध्यक्षता में नोडल अधिकारी रश्मि सिंह व अभिनव तिवारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों में कुल- 2,44,068 वादों का हुआ निस्तारण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। द्वितीय शनिवार को माननीय राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,

कानपुर नगर के तत्वाधान एवं माननीय जनपद न्यायाधीश जनपद कानपुर नगर की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।माननीय जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल द्वारा दीप प्रज्जवलित कर राष्टीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया कि उनके द्वारा बताया गया कि आज हम सब लोग राष्टीय लोक अदालत के आयोजन पर यहां एकत्र हुए है और हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कर आम जनमानस तक इसका लाभ पहुचाते हुए राष्टीय लोक अदालत को सफल बनाया जाए। उक्त कार्यक्रम के समय समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं कानपुर बार एसोसियेशन व लायर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे।

उक्त राष्टीय लोक अदालत के आयोजन में आपराधिक शमनीय वाद, वैवाहिक वाद, सिविल वाद, मोटर ङ्क दुर्घटना वाद, राजस्व वाद, आरबीट्रेशन वादों के साथ- साथ बैंक व बीमा कम्पनी में लम्बित वादों को प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया।

विशेष उल्लेखनीय है कि पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (साउथ) द्वारा ज्50.. वाद, पीठासीन अधिकारीगण मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (नार्थ) द्वारा ज्46ज्वाद, प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय द्वारा07वाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर द्वारा .38297ज्वाद का निस्तारण किया गया इस प्रकार जनपद न्यायालय, कानपुर नगर के न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल ज्81,987ज्वादों का निस्तारण कर कुल 7,97,92,712=00 रु0 धनराशि दिलायी / वसूल की गयी, प्रीलिटीगेशन स्तर पर बैंक व टेलीकाम कम्पनी द्वारा .629ज्वादो का निस्तारण कर कुल धनराशि- .4,17,77,896=00 रु0 वसूल की गयी। प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा कुल .1,61,446ज वादों का निस्तारण किया गया, इस प्रकार जनपद कानपुर नगर में कुल ङ्क 2,44,068 वादों का निस्तारण कर कुल 12,44,87,155=00 रु0 धनराशि दिलायी / वसूल की गयी।

उपरोक्त कार्यक्रम में समस्त न्यायिक अधिकारीगण व कानपुर बार एसोसिएशन, दि लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपरोक्त राष्टीय लोक अदालत का विवरण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिनव तिवारी द्वारा बताया गया एवं रश्मि सिंह, नोडल अधिकारी, लोक अदालत द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया गया।

थाना बाबूपुरवा क्षेत्र में आग से जली महिला की इलाज के दौरान अस्पताल में हुई मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सहायक पुलिस आयुक्त बाबूपुरवा दिलीप कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि थाना बाबूपुरवा क्षेत्रान्तर्गत डायल-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला को उसके पति द्वारा ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी गई है।पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घायल महिला गुलप्सा पत्नी सीबू को उपचार हेतु उर्सला अस्पताल भेजा गया था। उपचार के दौरान महिला की मृत्यु हो गई। परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना बाबूपुरवा पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने लापता किशोरी को 24 घंटे में किया सकुशल बरामद

कानपुर। कानपुर के थाना शिवराजपुर क्षेत्र से एक किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस द्वारा परिजनों के किशोरी की लापता की सूचना देने के बाद कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 24 घंटे में ही लापता किशोरी को बरामद कर लिया साथ ही मामले में एक युवक को भी गिरफ्तार कर लिया गया।जानकारी के अनुसार शिवराजपुर ककवन के एक परिवार से 16 वर्षीय किशोर घर से निकली थी, शाम तक वापस न होने पर परिजनों को चिंता हुई और खोजबीन की किशोरी का पता न चलने से परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल कार्यवाई करते हुए कई टीमे बनाई और किशोरी की खोज शुरू की गयी। 24 घंटे के अंदर पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया साथ ही एक मामले में एक युवक को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया गया है साथ ही गिरफ्तार युवक पर कानूनी कार्यवाई की जायेगी।

परेड बाजार हटाने का विरोध करते हुए सपा विधायकों ने दुकानदारों के साथ की बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम के परेड बाजार हटाने के विरोध में समाजवादी पार्टी के तीनों विधायक एवं कांग्रेस पदाधिकारियों ने दुकानदारों के साथ बैठक कर उनके संघर्ष में हर कदम पर साथ रहने का भरोसा दिलाया।

विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा कि गरीब दुकानदारों के हक की लड़ाई हर हाल में लड़ी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा चाहे जितना कुछ सहना पड़े, मारेंगे नहीं और मानेंगे भी नहीं। उन्होंने कहा कि जब कल नगर निगम की टीम बाजार पहुंची थी, तब सबसे पहले पहुंचकर दुकानदारों के साथ खड़े होने का काम किया गया और आगे भी किसी गरीब की रोजी-रोटी उजड़ने नहीं दी जाएगी। गरीब दुकानदारों और मेहनतकश लोगों के हितों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

विधायक हसन रूमी ने कहा अंग्रेजी हुकूमत की तर्ज पर अचानक आदेश जारी कर गरीबों की दुकानें उजाड़ना किसी भी कीमत पर उचित नहीं कहा जा सकता। नगर निगम को चाहिए कि वह मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दुकानदारों, स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर स्थायी समाधान निकाले, न कि गरीबों के पेट पर लात मारने का काम करे।

परेड बाजार वर्षों से शहरवासियों को सस्ते सामान उपलब्ध कराने का बड़ा केंद्र रहा है। यहां हजारों परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। यह धार्मिक आयोजन जैसे रामलीला, जुलूस-ए-मोहम्मदी, गरीब बेटियों की शादियां इत्यादि एवं यह बाजार हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं का हिस्सा हैं। हम अपनी परंपराओं का सम्मान करते हैं और उन्हें किसी भी कीमत पर मिटने नहीं देंगे। बैठक में विधायक अमिताभ बाजपेई, विधायक कैंट मो. हसन रूमी, विधायक सीसामऊ नसीम सोलंकी, कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता, संदीप शुक्ला, पार्षद फैजान रहमान, रजत बाजपेई, जावेद अख्तर गुड्डू, उमर शरीफ, चंकी गुप्ता, परेड बाजार अध्यक्ष विशाल शुक्ला लल्लू, मो. इमरान हुसैन सहित बड़ी संख्या में दुकानदार एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

फर्जी फर्म बनाकर 150 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी पिता-पुत्र गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट की पूर्वी जोन पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर, लोगों के नाम से नकली फर्में बनाकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर गिरोह के दो मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में पिता-पुत्र महताब आलम (50) और मासूईम अली (25) शामिल हैं, दोनों थाना जाजमऊ के रामराय की सराय के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार इस पूरे धोखाधड़ी के मामले में स्लाटर हाउस के कैश रकम का इस्तेमाल किया गया है।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी एवं अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना चकेरी पुलिस, साइबर सेल व सर्विलांस टीम ने यह कार्रवाई की। जिसमें दो अभियुक्त गिरफ्तार किए गए है अभियुक्त महताब आलम को थाना चकेरी क्षेत्र के रामादेवी से और मासूम अली को जाजमऊ बुरादा ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया। 24 अप्रैल 2026 को निखिल कुमार ने थाना चकेरी में शिकायत दर्ज कराई कि वह कम पढ़ा-लिखा मजदूर है। उसके दोस्तों ने उसके आधार-पैन कार्ड का गलत इस्तेमाल कर उसके नाम से फर्जी सिम कार्ड और जीएसटी नंबर हासिल कर 'रवि इंटरप्राइजेज' के नाम से फर्जी फर्म बना ली।

दिसंबर तक कानपुर होगा बाल श्रम मुक्तः मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कानपुर नगर को दिसंबर 2026 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा श्रम विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में निर्देश दिए गए कि आगामी 12 जून को अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस तक नगर के 12 वार्डों को बाल श्रम मुक्त किया जाए। इसके लिए श्रम विभाग के श्रम प्रवर्तन अधिकारियों के साथ शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग एवं प्रोबेशन विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि नगर निगम के अधिकारियों एवं पार्षदों के साथ बैठक कर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के सहयोग से भी बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम प्रधानों के माध्यम से जनपद की सभी 590 ग्राम पंचायतों में सर्वे कर 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चों का डाटा संकलित किया जाएगा, जो स्कूल छोड़ चुके हैं अथवा शिक्षा से वंचित हैं। यह सूचना शिक्षा विभाग एवं श्रम विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि ऐसे बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ा जा सके।

बैठक में कहा गया कि बाल श्रम एक सामाजिक बुराई है और इसे रोकने के लिए नियोक्ता संगठनों, श्रमिक संगठनों एवं जनसहभागिता के माध्यम से व्यापक जागरूकता आवश्यक है। बैठक में अपर श्रमायुक्त, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, नगर निगम अधिकारी, पुलिस विभाग से प्रभारी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी तथा समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शुभेंदु अधिकारी ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

पांच वरिष्ठ नेताओं ने भी संभाली मंत्री पद की जिम्मेदारी

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता आयोजित समारोह में मौजूद रहे।भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया।

नई भाजपा सरकार की पहली मंत्रिपरिषद में उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समाज के नेताओं को भी जगह मिली है।शुभेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं। हालांकि, अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। दिलीप घोष ने खड़गपुर सदर, अग्निमित्रा पाल ने आसनसोल दक्षिण, अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर, क्षुदिराम टुडू ने रानीबांध और निशीथ प्रमाणिक ने माथाभांगा सीट से जीत दर्ज की है।हालांकि, अभी पूरी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शुभेंदु अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे।उल्लेखनीय है कि, चार मई को घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया था। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे माना जा रहा था। शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की।अमित शाह ने कहा कि विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री पद के लिए आए सभी प्रस्तावों में केवल शुभेंदु अधिकारी का ही नाम था और किसी अन्य नाम का प्रस्ताव नहीं आया। इसके बाद उन्हें सर्वसम्मति से पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री घोषित किया गया।

पीएम मोदी ने मंच पर छूए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी माखनलाल सरकार के पैर

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में एक भावुक और ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर मौजूद 97 वर्षीय वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता माखन लाल सरकार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दृश्य ने समारोह में मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।माखनलाल सरकार भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के करीबी सहयोगियों में रहे हैं। भाजपा नेताओं के अनुसार कश्मीर आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ऐतिहासिक दौरे में भी माखनलाल सरकार उनके साथ थे। उस समय कश्मीर में तिरंगा फहराने के अभियान के बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी को गिरफ्तार किया गया था और जेल में उनकी रहस्यमयी मौत हो गई थी। बताया जाता है कि उस दौरान माखनलाल सरकार भी उनके साथ जेल में बंद थे।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व लोकसभा सांसद शमिक भट्टाचार्य ने मंच से माखनलाल सरकार का परिचय देते हुए कहा कि 1952 के कश्मीर आंदोलन में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और वे श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंतिम दिनों के करीबी साथी रहे।

माखनलाल सरकार ने उत्तर बंगाल में पार्टी संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1980 में भाजपा गठन के बाद उन्हें पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग क्षेत्रों की संगठनात्मक जिम्मेदारी दी गई थी। कम समय में उन्होंने हजारों नए सदस्य जोड़कर उत्तर बंगाल में भाजपा का मजबूत आधार तैयार किया। बाद में वे सिलीगुड़ी संगठनात्मक जिले के पहले भाजपा अध्यक्ष भी बने और लगातार सात वर्षों तक इस पद पर रहे।समारोह के दौरान शमिक भट्टाचार्य ने माखनलाल सरकार के जीवन की एक और घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासनकाल में देशभक्ति गीत गाने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

आखिरकार ममता बनर्जी ने बदला सोशल मीडिया प्रोफाइल

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में जारी बदलावों के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल अपडेट किया है। वहीं, शपथ ग्रहण के बाद शुभेंदु अधिकारी ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल में अपने नाम के साथ मुख्यमंत्री शब्द जोड़ लिया।सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर ममता बनर्जी ने अब अपने प्रोफाइल में खुद को तीन बार की मुख्यमंत्री बताया है। उन्होंने लिखा है कि वह 15वीं, 16वीं और 17वीं विधानसभा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रही हैं और फिलहाल, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष हैं। लेकिन उन्होंने कहीं भी 'पूर्व मुख्यमंत्री' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है।अब तक उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स में 'मुख्यमंत्री' लिखा हुआ था, लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह बदलाव सामने आया है।चुनाव परिणाम आने के बाद तृणमूल कांग्रेस की ओर से दावा किया गया था कि पार्टी पराजित नहीं हुई बल्कि उसे साजिश के तहत हराया गया है। वहीं, ममता बनर्जी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और इसे राजनीतिक साजिश बताया था।उल्लेखनीय है कि, 2011 में भी बंगाल में सत्ता परिवर्तन हुआ था, जब 34 साल के वाम शासन का अंत हुआ था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने परिणाम के बाद इस्तीफा दे दिया था। लेकिन इस बार ममता बनर्जी ने इस्तीफा नहीं दिया और अब सोशल मीडिया बायो में बदलाव के बाद राजनीतिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का गठन भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को पूरा करने जैसा है।

पीएनबी के मंडल प्रमुख व तीन अफसरों पर एफआईआर दर्ज

» बीपीएस न्यूज

रायबरेली।मंडल प्रमुख व तीन अफसरों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की गई है। पीड़ित ने कोर्ट को बताया कि मामले की शिकायत सीओ सदर से लेकर पुलिस अधीक्षक से की गई। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मंडल कार्यालय के प्रमुख रक्तिमावा दान और तीन अन्य अफसरों के खिलाफ सदर कोतवाली में शनिवार को एफआईआर दर्ज की गई है। विशेष अपर सत्र न्यायाधीश एससी एसटी कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। सभी पर धोखाधड़ी से बैंक में लोन खाता खोलने और जातीय उत्पीड़न का आरोप है। मामले में पुलिस के कार्रवाई न करने पर पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। रायबरेली शहर के बालापुर पोस्ट आईटीआई निवासी देवनाथ ने विशेष अपर सत्र न्यायाधीश एससी एसटी कोर्ट में दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि पीएनबी के मंडल कार्यालय फिरोज गांधी नगर रायबरेली में 17 सितंबर 2022 को बैंक सेवा से उसे बर्खास्त कर दिया गया था। बैंक अफसरों ने उसकी ग्रेच्युटी बिना जानकारी के ऋण खाते में डाल दी।

गृह ऋण बंद कर बिना सूचना और हस्ताक्षर के जाली दस्तावेज से एक नया सार्वजनिक गृह ऋण खाता खोल दिया। यह सब जातिगत भावना से प्रेरित होकर किया गया। कर्मचारी गृह ऋण बंद होने के बाद भी उनकी टाइटल डीड वापस नहीं की गई। सूचना के अधिकार के तहत दोनों गृह ऋणों के दस्तावेज एक ही पाए गए, जबकि वे अलग होने चाहिए। बैंक की आंतरिक जांच रिपोर्ट में अधिकारी राम सिंह ने इस सार्वजनिक गृह ऋण को गैर कानूनी बताया।

इस फर्जी ऋण के कारण देवनाथ और उनकी पत्नी राजरानी की आर्थिक और सामाजिक क्षति हुई। पीड़ित ने कोर्ट को बताया कि कर्मचारी खाते 18 जनवरी 2024 को बिना किसी नियम के सार्वजनिक खातों में बदल दिए गए। मामले की शिकायत सीओ सदर से लेकर पुलिस अधीक्षक से की गई। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई।

सदर कोतवाली प्रभारी शिवशंकर सिंह का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख रक्तिमावा दान, सीनियर मैनेजर अल्पना त्रिवेदी, ज्ञानेंद्र प्रकाश वर्मा और चीफ मैनेजर प्रवीण कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

27337 करोड़ रुपये के घोटाले में अनिल अंबानी की कंपनियों पर ताबड़तोड़ छापे

» सुप्रीम कोर्ट की निगरानी और अब तक की कार्रवाई

» 27,337 करोड़ का वित्तीय नुकसान और फर्जीवाड़ा

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। देश के बैंकिंग सेक्टर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाने वाले कथित घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ मुंबई में 17 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई कॉर्पोरेट गवर्नेंस और बैंक फंड की हेराफेरी के बड़े मामलों पर जांच एजेंसियों के कड़े रुख को दर्शाती है। सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार, यह सर्च ऑपरेशन रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन अलग-अलग मामलों के तहत किया गया है। जांच एजेंसी ने इन कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरों पर छापे मारे।

इसके साथ ही उन बिचौलिया कंपनियों के दफ्तरों को भी खंगाला गया, जिनके खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर बैंक फंड को डायवर्ट (हेराफेरी) करने के लिए किया गया था।

शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से सर्च वारंट हासिल करने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

इस पूरे कथित घोटाले का वित्तीय प्रभाव बेहद व्यापक है। अधिकारियों के मुताबिक, इन मामलों में सरकारी बैंकों और स्क्ष्ट को कुल मिलाकर लगभग 27,337 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया है कि फंड डायवर्ट करने के लिए इस्तेमाल की गईं कई बिचौलिया कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआईसी की शिकायतों के आधार पर संघीय एजेंसी ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह के खिलाफ हजारों करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी के कुल सात मामले दर्ज किए हैं।

इन मामलों के दर्ज होने के तुरंत बाद, बीते कुछ महीनों में सीबीआई 14 अन्य स्थानों पर भी तलाशी अभियान चला चुकी है।

दिल्ली, यूपी, हिमाचल और बंगाल समेत 10 राज्यों में बारिश का अलर्ट, राजस्थान-गुजरात में झुलसाएगी लू

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम भारत का मौसम फिर बदलने वाला है। रविवार से पहाड़ों पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसके प्रभाव से हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में बारिश और तेज हवाओं का दौर शुरू होने की संभावना है।इस दौरान बारिश छिटपुट होगी, लेकिन कई क्षेत्रों में हवा की गति 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के अनुसार सोमवार से अगले तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम तेजी से करवट ले सकता है।

पहाड़ी राज्यों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और तेज बारिश की आशंका है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की स्थितियां बन सकती हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि रविवार की रात नया पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ों में प्रवेश करेगा, जिसके बाद अगले तीन से चार दिनों तक मौसम का असर धीरे-धीरे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल जाएगा।इसके पहले दिल्ली और आसपास के इलाकों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी होगी, लेकिन मौसम विभाग का मानना है कि तापमान इतना नहीं बढ़ेगा कि व्यापक स्तर पर हीटवेव की स्थिति बन जाए। हालांकि, इस दौरान राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी मध्य प्रदेश में गर्मी का असर अधिक रह सकता है।राजस्थान और गुजरात में भी अगले छह दिनों तक लू चलने की आशंका है, जबकि 12 से 13 मई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी गर्म हवाएं परेशान कर सकती हैं।इस बीच, पूर्वी भारत में भी मौसम पूरी तरह शांत नहीं रहेगा।

देवबंद में दो बीघा के लिए भारी बवाल, दो समुदाय भिड़े पथराव और लाठीचार्ज में कई घायल, छावनी बना क्षेत्र

कई घंटे में काबू हुए हालात, छावनी बना क्षेत्र,जमीन पर कब्जे को लेकर शुरू हुआ विवाद

» बीपीएस न्यूज

देवबंद/ सहारनपुर सहारनपुर के देवबंद क्षेत्र के लालवाला गांव में दो बीघा जमीन को लेकर दो समुदायों के बीच बवाल हो गया। पथराव और पुलिस की कार्रवाई में दो महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए। गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उत्तर प्रदेश के देवबंद क्षेत्र के गांव लालवाला में दो बीघा जमीन को लेकर शनिवार को बड़ा बवाल हो गया। जमीन पर कब्जे को लेकर ठाकुर और अनुसूचित समाज के लोगों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और पथराव शुरू हो गया। इस दौरान दो महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए।

कई जिलों से बुलानी पड़ी फोर्स

स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हालात को काबू में करने के लिए जनपद के कई थानों का पुलिस बल भी बुलाना पड़ा। पूरे गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि देवबंद कोतवाली क्षेत्र के गांव लालवाला में स्थित दो बीघा जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है।

शनिवार को जब एक पक्ष ने जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया तो दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया।

देखते ही देखते कहासुनी बढ़कर पथराव में बदल गई। अचानक हुए इस बवाल से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन स्थिति बिगड़ती देख जनपद के कई थानों का पुलिस बल और प्रांतीय सशस्त्र बल को भी मौके पर बुलाना पड़ा। इसके बाद गांव को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया।

इस दौरान भीम सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

भारत का रक्षा कवच हुआ और मजबूत, अग्नि मिसाइल के आधुनिक वेरिएंट का हुआ सफल परीक्षण

नई दिल्ली । भारत ने 8 मई 2026 को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से अपनी उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। यह मिसाइल एमआईआरवी तकनीक से लैस है, जिसका मतलब है कि यह एक साथ कई अलग-अलग लक्ष्यों पर निशाना साध सकती है।भारत ने अपनी रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में एक और बहुत बड़ी, ऐतिहासिक और शानदार कामयाबी हासिल कर ली है। देश की ताकत और आत्मनिर्भरता को आसमान की नई ऊंचाइयों तक ले जाते हुए, भारत ने अपनी उन्नत अग्नि मिसाइल के एक बेहद खास और आधुनिक रूप का सफल उड़ान परीक्षण किया है।

जिंदा रहते ग्रामीण ने किया अपना पिंडदान और तेरहवीं संस्कार, बोले- किसी का एहसान या कर्जा नहीं रखना चाहते

» बीपीएस न्यूज

उन्नाव। ग्रामीण ने जिंदा रहते अपना पिंडदान और तेरहवीं संस्कार कर डाला। ग्रामीणों को भोज भी कराया। जिसकी क्षेत्र में चर्चा होती रही।एक व्यक्ति द्वारा जिंदा रहते अपना पिंडदान व तेरहवीं संस्कार के साथ भोज किए जाने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। ब्लॉक फतेहपुर चौरासी के गांव पीथनहार निवासी रविंद्र प्रसाद पुत्र स्व. रामदुलारे ने जीवित रहते शनिवार को गांव में अपना तेरहवीं संस्कार विधिविधान के साथ करके गांव वालों को भोज कराया। रविंद्र ने बताया कि वह अविवाहित है। 10 वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया था।

25 वर्ष उत्तराखंड में बिताने के बाद वापस आए। जड़ी बूटी की दवा आदि देकर जीविकोपार्जन करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके जीवन के दो उद्देश्य हैं, एक शिव मंदिर का निर्माण व दूसरा अपनी तेरहवीं संस्कार खुद कर देना। तेरहवीं के बारे में बताया कि वह किसी का एहसान या कर्जा नहीं रखना चाहते हैं।

शनिवार को आचार्य द्वारा गंगा पर पिंडदान आदि संस्कार कराए गए। उनके तेरहवीं कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष मिथिलेश जायसवाल, अतुल मिश्रा, आनंद कुमार, रामगोपाल पांडेय, रणधीर सिंह, स्वामी शंकर, जुल्फिकार अली, राहुल सहित करीब 500 लोग शामिल हुए।

तरबूज खरीदते समय ये निशान जरूर देंखे

मीठे और लाल फल की मिलेगी पूरी गारंटी!

गर्मियों के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए कई चीजों का सेवन किया जाता है। इन्हीं में से एक है तरबूज, गर्मी में इस फल को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। हालांकि, तरबूज को खरीदने में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अंदर से लाल और मीठा होगा या नहीं।

कई लोग इसे खरीदते समय गलत तरबूज को खरीद लेते हैं, जो कि बाद में कच्चा और फीका निकल जाता है। इसलिए तरबूज को खरीदते समय इन बातों पर ध्यान रखना जरुरी है।

अब आपको तरबूज खरीदते समय काटने या ठोकने की जरुरत नहीं है, बस दो खास निशानों पर गौर करना है।

सबसे पहला तरबूज का पीला पैच और दूसरा उसकी स्टेम यानी कि टंडल। यदि दोनों संकेत सही मिल जाएं, तो बिना देखें भी आप एक रसीला और परफेक्ट तरबूज घर पर ला सकते हैं।

पीले पैच की पहचान

तरबूज खरीदने जाए तो यह जरुर देखें कि, तरबूज में पीला पैच है या नहीं। तरबूज का वह हिस्सा जो जमीन के संपर्क में रहता है, वहां एक दाग या पैच बन जाता है। इसे फील्ड स्पॉट कहते हैं।

यदि यह पैच गहरा पीला या नारंगी-पीला है, तो इसका मतलब है कि तरबूज बेल पर पूरी तरह से पक चुका है। यदि यह पैच सफेद या हल्का हरा है, तो समझ जाएं कि तरबूज कच्चा तोड़ दिया है और अंदर से फीका निकल सकता है।

सूखी और भूरी स्टेम

तरबूज खरीदते समय उसके डंठल पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यही उसकी मिठास का अहम संकेत देता है। यदि डंठल पूरी तरह सूखा और भूरा दिखाई दे, तो समझ लें कि फल अच्छी तरह पक चुका है और बेल से स्वाभाविक रूप से अलग हुआ है। ऐसे तरबूज आमतौर पर ज्यादा मीठे होते हैं। वहीं अगर डंठल हरा नजर आए, तो इसका मतलब है कि फल को समय से पहले तोड़ा गया है, जिससे उसकी मिठास कम हो सकती है।

पीला पैच और स्टेम कॉम्बिनेशन

तरबूज खरीदते समय सिर्फ एक चीज देखना काफी नहीं है। इसे परखने के लिए दोनों के कॉम्बिनेशन में है। यदि आप तरबूज पर गहरा पीला पैच भी है और स्टेम सूखी हुई, तब भी वह तरबूज 100त्न लाल और मीठा निकलेगा। अक्सर पाया जाता है कि स्टेम हरी होती है। ऐसे में तरबूज अंदर से लाल हो सकता है, लेकिन उसमें वह शहद जैसी मिठास नहीं होगी।

तरबूज की बनावट और आकार

जब तरबूज को चुने तो एक बार उसका आकार पर जरुर ध्यान दें। एक मीठा और रसदार तरबूज वजन में भारी महसूस होना चाहिए। तरबूज समान आकार का होना चाहिए।

उसमें कहीं से उभार या गड्ढे नहीं हो। अपनी पसंद का तरबूज लें और वह दिखने में जितना बड़ा है उससे अधिक भारी महसूस हो रहा है, तो समझ लें कि वह पानी और रस से भरपूर है।

रंग और चमक

कई बार होता है कि लोग तरबूज के गहरे रंग से आकर्षित होते हैं, लेकिन यह गलत है, एक पका हुआ और मीठा तरबूज डार्क ग्रीन होता है। ज्यादा चमकने वाला तरबूज कई बार कच्चा निकल जाता है। पकने के बाद तरबूज की ऊपरी परत की चमक कम हो जाता है।

वेवलिंग या भूरे जाले

आपने देखा होगा कि तरबूज की सतह पर दिखने वाला भूरे रंग के टेढ़े-मेढ़े जाले जैसे निशान जिन्हें 'Webbing' कहते हैं बहुत

महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि ये जाले बताते हैं कि फूल के समय मधुमक्खियों ने उस पर कितनी बार पॉलिनेशन किया है। जितने तरबूज पर भूरे जाले जितने ज्यादा होंगे, उतना ही ज्यादा मीठा और स्वाद में लाजवाब होगा।

हो जायें सावधान : तकिए के पास मोबाइल रखकर सोना है 'साइलेंट किलर

आजकल के डिजिटल युग में मोबाइल फोन हमारे जीवन का खास हिस्सा बन गया है। हम अपना फोन हर समय साथ रखते हैं, यहां तक कि रात को सोते समय भी इसे तकिए के नीचे या सिरहाने रखना हमारी आदत बन चुकी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आदत आपके लिए 'साइलेंट किलर' साबित हो सकती है?

मोबाइल से निकलने वाली ब्लू रेज और खतरनाक रेडिएशन आपके स्वास्थ्य पर बेहद बुरा असर डालते हैं। चाहे आप अलार्म लगाने के लिए फोन पास रखें या देर रात तक स्क्रॉलिंग करने के लिए, यह हर तरह से खतरनाक है।

नींद की कमी- हमारे फोन की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट सीधे तौर पर मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है।

यह वही हार्मोन है जो हमारे शरीर को नींद आने का संकेत देता है और स्लीप साइकिल को नियंत्रित करता है। जब आप फोन पास रखकर सोते हैं, तो नींद की क्वालिटी में भारी गिरावट आती है और अनिद्रा की समस्या पैदा होने लगती है।

माइग्रेन और सिर दर्द- मोबाइल फोन लगातार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन छोड़ते हैं। जब फोन सिर के बहुत करीब होता है, तो इन तरंगों के कारण सुबह उठने पर

भारीपन, लगातार रहने वाला सिर दर्द और माइग्रेन जैसी गंभीर समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

बैक्टीरिया पनपने का खतरा- मोबाइल स्क्रीन पर भारी मात्रा में बैक्टीरिया पनपते हैं, चेहरे के पास फोन रखकर सोने से ये कीटाणु त्वचा तक पहुंचकर कील-मुंहासे पैदा कर सकते हैं।

कानों में जलन- मोबाइल रेडिएशन के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कानों में चुभन या जलन का एहसास हो सकता है।

मेंटल हेल्थ इश-रात के समय नोटिफिकेशन की

आवाज या लाइट न केवल नींद में खलल डालती है, बल्कि सोशल मीडिया के ज्यादा इस्तेमाल से चिंता और तनाव का स्तर भी बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए सोने से कम से कम एक घंटा पहले फोन का इस्तेमाल बंद कर दें और उसे अपने बेड से कम से कम 3-5 फीट की दूरी पर रखें।

भीम ने पकड़ी पूंछ और प्रकट हुआ शिवलिंग... इसलिए बैल की पीठ-सा दिखता केदारनाथ ज्योतिर्लिंग?

हिमालय की बर्फीली पहाड़ियों के बीच स्थित केदारनाथ धाम के कपाट खुल चुके हैं और रोजाना हजारों की संख्या में भक्त दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ धाम सिर्फ एक मंदिर नहीं बल्कि सनातन आस्था का प्रतीक भी है। सालों पहले भयंकर बाढ़ में भी इस मंदिर को कुछ नहीं हुआ, जिसके बाद से ही भक्तों में यहां दर्शन करने की चाह बढ़ गई। साल में लगभग 6 महीने तक बर्फ की चादर में ढका रहने वाला केदारनाथ मंदिर कई रहस्यों से भरा है। वहीं, यहां स्थित शिवलिंग से जुड़ी भी कई कथाएं और मान्यताएं प्रचलित हैं, जिसके बारे में पंचकेदार में से एक केदरानाथ धाम समुद्र तल से लगभग 11,755 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और यहां स्थापित ज्योतिर्लिंग सबसे ऊंचा माना जाता है। यहां स्थापित स्वयंभू शिवलिंग का आकार भी अन्य ज्योतिर्लिंगों से अलग है, जो इसे अधिक रहस्यमयी और अद्वितीय बनाता है।दरअसल, अन्य ज्योतिर्लिंगों की तरह इसका आकार गोलाकार नहीं बल्कि त्रिकोणीय है। यही अनोखा आकार इसे बाकी सभी शिवलिंगों से अलग और रहस्यमयी बनाता है। केदारनाथ का शिवलिंग लगभग 12 फीट ऊंचा और 12 फीट चौड़ा है। इसके अलावा श्रद्धालु मंदिर के सामने स्वंय बनती माता पार्वती और पांडवों की आकृतियां देखने के लिए भी आते हैं।

सबसे दिलचस्प सवाल यह है कि केदारनाथ का शिवलिंग बैल की पीठ जैसा क्यों दिखाई देता है? इसके पीछे महाभारत काल से जुड़ी एक पौराणिक कथा है। ऐसा कहा जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद पांडव को अपने भाईयों की हत्या का पछतावा था। इसलिए वह अपने पापों से मुक्ति पाने के लिए भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते थे। ऐसे में भगवान शिव की शरण पाने के लिए पांडव और द्रौपदी हिमालय की ओर चल दिए।

मगर, भगवान शिव उनसे रुष्ट थे और उनकी परीक्षा लेना चाहते थे। ऐसे में भगवान शिव नंदी (बैल) का रूप धारण करके धरती में छिप गए। जब पांडवों ने उन्हें पहचान लिया तो भगवान शिव भूमि में समाने लगे। तब भीम ने उन्हें पूछ से पकड़कर रोकने की कोशिश की, जिससे उनकी बैल की पीठ वाला हिस्सा केदारनाथ में रह गया, जिसे आज शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है।

जब भगवान शिव ने बैल का रूप धारण किया और अंतर्ध्यान होने लगे तब उनके शरीर के अंग अलग-अलग स्थानों पर प्रकट हुए, जो आज %पंचकेदार% के नाम से प्रसिद्ध हैं। तुंगनाथ में उनकी भुजाएं, रुद्रनाथ में मुख, मदमहेश्वर में नाभि और कल्पेश्वर में उनकी जटाएं प्रकट हुईं। इन पांचों धामों का दर्शन करना बहुत ही पुण्यदायी माना जाता है।

बैंक खाता किराये पर लेकर उसमें रकम मंगवाने वाले छह ठग गिरफ्तार, कई पासबुक बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेकनगंज थाने की साइबर हेल्प डेस्क पर मिली सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। रविवार को गिरोह के सदस्यों को पकड़कर उनके पास से कई पासबुक बरामद की। बेकनगंज पुलिस ने गरीब और जरूरतमंदों से पांच हजार रुपये में बैंक खाते किराये पर लेकर उनमें ठगी की रकम मंगाने वाले छह साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में कर्नलगंज निवासी सरगना जावेद, गुजैनी के मर्दनपुर निवासी दीपक शर्मा, काकादेव हितकारीनगर निवासी प्रिंस गौतम, डबल पुलिया निवासी युवराज, चमनगंज निवासी मो. असद और बर्रा निवासी लक्ष्यदीप हैं। पुलिस को आरोपियों के पास से कई बैंकों की पासबुक बरामद हुई है।

एडीसीपी सेंट्रल डॉ. अर्चना सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया कि बेकनगंज थाने की साइबर हेल्प डेस्क पर सूचना आई थी। उसमें बताया गया था कि कुछ लोग क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद लोगों के बैंक खाते खुलवाकर पासबुक, डेबिट कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर अपने पास रख लेते हैं। बदले में लोगों को पांच हजार रुपये महीने दिए जा रहे हैं। अंदेशा जताया गया था कि इन खातों का प्रयोग साइबर ठगी और संदिग्ध लेनदेन में किया जा रहा है।

इस पर टीम ने जमुनिया रोड के पास से कर्नलगंज निवासी जावेद को पकड़ा। उसके पास से दो लोगों की पासबुक बरामद हुई। पूछताछ में उसने गुजैनी मर्दनपुर निवासी दीपक शर्मा समेत सभी आरोपियों के नाम कबूले। इन सभी को उठाकर पूछताछ की गई तो गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। आरोपियों के पास से बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पंजाब नेशनल बैंक, बंधन बैंक समेत अलग-अलग बैंकों की पांच पासबुक बरामद हुई हैं। एडीसीपी डॉ. अर्चना ने बताया की पकड़े गए आरोपियों में जावेद सरगना है। वह लोगों को लोन दिलाने के बहाने से उनके दस्तावेज लेकर खाता खुलवा लेता था। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने इन बैंक खातों में कितना ट्रांजेक्शन किया है। सोमवार को बैंक खुलने पर इसकी जानकारी की जाएगी। अब तक की पूछताछ में आरोपियों ने 25 लोगों के खाते खुलवाने की बात स्वीकारी है। सभी को रविवार को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

कानपुर: गर्मी के कारण बाड़े में दुबके चिड़ियाघर के जानवर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बीते दिनों बारिश के कारण आये मौसम में बदलाव के चलते गर्मी लगभग गायब सी हो गयी थी और मौसम खुशनुमा होने के कारण चिड़ियाघर में भी रौनक दिखायी पड रही थी। यूंतो कानुपर में मनोरंजन के मुख्य स्थानों में चिड़ियाघर अग्रणी है लेकिन धूप, गर्मी और तपिश के कारण लोगों की संख्या में कमी आयी है। हांलकि चिड़ियाघर में अन्य छोटे बडे जानवरों के साथ मुख्य आकर्षण का केंद्र आज-कल काले हिरण बने हुए है, जिनकी सुन्दरता यहां आने वालो को हैरान कर देती है।बीते दो दिनों से निकली तेज धूप और गर्मी के कारण चिड़ियाघर में जानवर एक बार फिर अपने बाडों में दुबक गये है। दोपहर होते-होते सभी जानवर मैदान से अपने बाडों में चले गये। चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से गर्मी के लिए खासी तैयारियां की गयी थी। जानवरों के बाडों में कूलर और नमी के लिए फुआर की भी व्यवस्था की गयी थी। यहां आने वाले लोगों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र काला हिरण बना हुआ है। बताया जाता है कि बीते पांच वर्षो में यहां काले हिरण की संख्या दो गुनी हो गयी है। यहां 105 प्रजाति के 1250 से अधिक वन्यजीव है, जिसमें कई प्रजाति के हिरण भी है।गर्मी के कारण काला हिरण और भी काला हो जाता है, जिससे उसकी त्वचा चमकदार हो जाती है और लोगों को अपनी ओर अकर्षित करती है। वैसे यह हिरण जन्म के समय नर व मादा दोनो ही भूरे रंग के होते है पर आयु बढने के साथ ही नर हिरण का रंग काला हो जाता है। वर्तमान समय मं चिड़ियाघर में काले हिरणों की संख्या 85 हो गयी है। इन हिरणों की प्रजाति को संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में माना जाता है वहीं चिड़ियाघर में इन हिरणों को पूरी तरह प्राकृतिक वातावरण और जंगल की अनभूति होती है।

उर्सला में दिव्यांगों के लिए बनेगा पुनर्वास केंद्र, एक ही छत के नीचे मिलेंगे कृत्रिम अंग और उपकरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । उर्सला अस्पताल में जल्द ही जिला पुनर्वास केंद्र शुरू होगा, जहां दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगे। शासन की मंजूरी के बाद पुराने बर्न वार्ड को अत्याधुनिक उपकरणों और डेंटल लैब के साथ तैयार किया जा रहा है।कानपुर शहर और आसपास के जिलों के दिव्यांगजनों के लिए उर्सला अस्पताल में जल्द ही पुनर्वास केंद्र (डिस्ट्रिक्ट डिसेबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेंटर) स्थापित होगा। इस परियोजना को शासन की टीम ने निरीक्षण के बाद अपनी मंजूरी दे दी है। इसका निर्माण उर्सला के पुराने बर्न वार्ड में किया जाएगा। शासन की टीम ने इस जगह को केंद्र के लिए उपयुक्त पाया है।इस वार्ड का जल्द ही नवीनीकरण किया जाएगा। इसे अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। वार्ड को अब दो हिस्सों में विभाजित किया जा रहा है। इसमें एक डेंटल लैब भी बननी है। यह केंद्र कानपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के दिव्यांगों के लिए एक ही

छत के नीचे सभी सुविधाएं देगा।कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण होंगे तैयारउर्सला के नोडल अधिकारी डॉ. सपन गुप्ता ने बताया कि अब तक दिव्यांगों को कृत्रिम अंगों और सहायक उपकरणों के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती थी।

उन्हें अक्सर दूसरे शहरों का रुख भी करना पड़ता था।कानपुर शहर और आसपास के जिलों के दिव्यांगजनों के लिए उर्सला अस्पताल में जल्द ही पुनर्वास केंद्र (डिस्ट्रिक्ट डिसेबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेंटर) स्थापित होगा। इस केंद्र में स्थानीय स्तर पर कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण तैयार होंगे। सुनने में अक्षम लोगों को आधुनिक कान की मशीनें मिलेंगी। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है।

टूट गए अरमान- इधर 7 फेरों की तैयारी, उधर पहली पत्नी की एंट्री, फिर दूल्हे राजा ने पकड़ी हैरान करने वाली रफ्तार

औरैया । शादी के दौरान पुलिस पहुंचते ही दूल्हा मौके से भाग निकला। पहली पत्नी का आरोप है कि 14 साल पहले शादी हुई थी। 12 साल की बेटी है।औरैया में एक गेस्ट हाउस में बृहस्पतिवार की रात सात फेरे लेने जा रहे एक युवक की शादी रुक गई। उसकी पहली पत्नी पुलिस फोर्स के साथ शादी रुकवाने पहुंच गई। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद बरात को बिना दुल्हन के ही लौटना पड़ा। लड़की पक्ष ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूल्हा मौके से भाग गया।अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी रेलवे कर्मचारी ने अपनी बेटी का रिश्ता कानपुर देहात मूसानगर निवासी कमलेश के साथ तय किया था। बृहस्पतिवार को शहर के एक गेस्ट हाउस में शादी का जश्न चल रहा था। मेहमान दावत खा रहे थे और रस्मों की तैयारी चल रही थी। तभी रात करीब नौ बजे अचानक पुलिस की गाड़ियों के सायरन और एक महिला की चीख-पुकार ने समारोह में सन्नाटा खींच दिया। मौके पर पहुंची महिला ने दावा किया कि वह कमलेश की पहली पत्नी है। उसने बताया कि उसकी शादी 14 साल पहले हो चुकी है और उनकी एक 12 साल की बेटी भी है।

हमीरपुर नाव हादसा- मौत का शॉर्टकट या मजबूरी अगर पुल होता तो नहीं उजड़तीं छह जिंदगियां

» बीपीएस न्यूज

हमीरपुर । यमुना किनारे बसे एक मजरे में आज भी जिंदगी नाव के सहारे चल रही है। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव के लोगों के लिए नदी पार करना मजबूरी है। ग्रामीण रोज यमुना पार कर कानपुर देहात सीमा में सब्जी की बारी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

हमीरपुर जिले में करीब 800 आबादी वाले मजरे के लोगों की जिंदगी यमुना नदी पर टिकी हैं। गांव के ज्यादातर लोग यमुना पार कानपुर देहात सीमा पर सब्जी की बारी लगाकर गुजर-बसर करते हैं। ग्रामीण रोज नाव से ही नदी पार कर खेती करने जाते हैं।साथ ही, इनके बच्चे भी नाव से स्कूल जाते हैं। इसके बाद भी शासन-प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं गया। ग्रामीणों के अनुसार गांव में 10 से 25 नावें हैं। इन्हीं नावों से किसान सब्जियां इस पार लाते हैं। छात्र-छात्राएं भी नाव के सहारे नदी पार कर पढ़ाई के लिए जाते हैं। यमुना पार जाने के लिए नाव ही एकमात्र सहारा है।पहले भी हुआ हादसा, नहीं हुए सुरक्षा के इंतजाम गांव निवासी अजय सिंह ने बताया कि तीन साल पहले भी इसी इलाके में नाव हादसा हुआ था। उस समय सात लोग नदी में डूब गए थे। इन्हें ग्रामीणों ने किसी तरह बचा लिया था। इसके बावजूद सुरक्षा के स्थायी इंतजाम नहीं किए गए। पीड़ित गयाप्रसाद का कहना है कि जिस स्थान पर नाव पलटी, वहां नदी में भारी कटान है। इसी वजह से पानी का बहाव काफी तेज हो जाता है। घटनास्थल पर नदी की गहराई करीब 20 से 25 फीट बताई गई। लोगों का मानना है कि तेज धारा में नाव संभालना मुश्किल हो गया था।आज भी नाव से ही स्कूल जाते बच्चे गांव निवासी अंकित ने बताया कि कई छात्र-छात्राएं आज भी नाव के सहारे यमुना नदी पार कर पढ़ाई के लिए स्कूल जाते हैं। बरसात के दिनों में स्थिति और खतरनाक हो जाती है। ग्रामीण लंबे समय से सुरक्षित आवागमन की मांग करते रहे हैं।सांसद ने भी किया गांव का निरीक्षणकुरारा थाना क्षेत्र में नाव पलटने के कारण एक महिला सहित पांच बच्चों की मृत्यु की सूचना पाकर हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी लोकसभा सांसद आजेंद्र सिंह लोधी घटना स्थल पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए शोक संवेदना प्रकट की। हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। कहा कि नाविक की लापरवाही से उक्त घटना घटित हुई है, जो बहुत ही दुखद एवं कष्टदायी है। मरने वाले परिजनों को सरकार उचित सहायता राशि दे। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर मृतकों की सूची तैयार कर प्रदेश कार्यालय को भेज दी गई है। शीघ्र ही पार्टी सहयोग राशि देने का काम करेगी। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन माया वाल्मीकि, सौरभ यादव सहित अन्य सपाई मौजूद रहे।तीन भाइयों की इकलौती बहन थी रानी कुतूपुर पटिया निवासी नौ वर्षीय रानी अपने तीन भाइयों श्याम सिंह, रविकांत और अंकुश की इकलौती बहन थी। पिता बच्चन मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। हादसे के बाद घर में कोहराम मचा रहा। मां जावित्री का रो-रोकर बुरा हाल है।जलाला निवासी आकांक्षा अपनी मौसी की बेटी की शादी में शामिल होने आई थी। बुधवार को विदाई के बाद वह रिश्तेदारों के साथ नाव से टापू पर गई थी। हादसे की सूचना मिलते ही उसकी मां निशा जिला अस्पताल पहुंचीं, जहां बेटी को याद कर वह बेसुध होकर रोती रहीं।शादी के बाद रिश्तेदारी में रुक गई थी अर्चनाघाटमपुर निवासी अर्चना अपने पिता सर्वेश के साथ शादी समारोह में आई थी। विदाई के बाद वह रिश्तेदारी में रुक गई थी। बुधवार शाम वह परिवार के अन्य लोगों के साथ नाव से यमुना पार गई थी। हादसे में उसकी भी मौत हो गई।घाटमपुर निवासी गोरे उर्फ आदित्य अपनी मां और रिश्तेदारों के साथ शादी में आया था। उसका भाई आशीष विदाई के बाद पिता के साथ घर लौट गया था, जबकि आदित्य रिश्तेदारों के साथ नाव से चला गया। देर शाम करीब साढ़े पांच बजे एनडीआरएफ टीम ने उसका शव बरामद किया।

पुल बना होता तो बच जातीं छह जिंदगियां गांव से यमुना पार कर कानपुर नगर के घाटमपुर क्षेत्र स्थित कुटरा मकरंदपुर और आसपास के गांवों में आने-जाने के लिए नाव ही एकमात्र सहारा है। ग्रामीण खेती, सब्जी की बाड़ी और बाजार के काम से रोज जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं। लोगों का कहना है कि यदि इस मार्ग पर पुल बना होता तो छह लोगों की जान नहीं जाती।

भोगनीपुर नहर में नहाने गईं किशोरी डूबी, तलाश जारी

भोगनीपुर नहर में नहाने गईं किशोरी डूब गई। जिसकी तलाश की जा रही है। मामला धर्मपुरा गांव का है। लवेदी क्षेत्र के धर्मपुरा गांव में शुक्रवार दोपहर भोगनीपुर नहर में नहाने गई किशोरी डूब गई जबकि उसकी तीन सहेलियां डूबने से बच गईं। डूबी किशोरी की तलाश में ग्रामीणों, गोताखोरों के साथ एसडीआरएफटीम भी जुटी है लेकिन अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल सका। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए।धर्मपुरा गांव निवासी नरेश राजपूत ने बताया कि उनकी बेटी उपासना (15), अपनी सहेलियों निधि (10), छाया (18), और दीक्षा (16) के साथ खेतों में कूड़ा डालने गई थी। वहां से वे सभी भोगनीपुर नहर में नहाने चली गईं। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण उपासना डूबने लगी अन्य सहेलियां भी उसे बचाने के चक्कर में पानी के अंदर चली गईं। उसी दौरान गांव के ओमकार सिंह ने किशोरियों को डूबते हुए देख लिया।उन्होंने निधि, छाया व दीक्षा को बाहर निकाल लिया लेकिन उपासना पानी के अंदर चली गई।

योजनाओं का लालच दे रिक्शा चालक, नौकर, ड्राइवर को बनाया था फर्म मालिक

कानपुर। महफूज अली और उसके साथियों ने बीमा और सरकारी योजनाओं का लालच देकर रिक्शा चालक, सब्जी विक्रेता, नौकर, ड्राइवर आदि को फर्म का मालिक बनाया। उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों के सहारे करंट अकाउंट खोले गए। साथ में एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट कमेटी (एपीएमसी) के फर्जी सर्टिफिकेट लगाए। इससे एक करोड़ से अधिक की रकम आसानी से ट्रांसफर हो सके। यह जानकारी पुलिस को महफूज अली के खिलाफ एफआईआर लिखाने वाले वादियों ने दी है। जांच में भी फर्म और खाते फर्जी मिले हैं।पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि ढाई साल में महफूज व उसके रिश्तेदारों के 12 बैंक के 68 खातों में 1600 करोड़ रुपये के लेनदेन की जानकारी हुई थी। बाद में इनकम टैक्स ने जांच कराई तो ट्रांजेक्शन 3200 करोड़ का निकला। बैंक खातों की संख्या भी 110 से अधिक पहुंच गई। हालांकि, अब तक आयकर विभाग ने खातों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी है।पुलिस की अलग-अलग टीमों ने 68 खातों की जांच की जिसमें 35 के आसपास खाते फर्म के नाम से खोले गए। यह फर्में रिक्शा चालक, लेबर, नौकर, चालक, सब्जी विक्रेता आदि के नाम से खोली गई थीं। आरती इंटरप्राइजेज, राजा इंटरप्राइजेज, अफीसा इंटरप्राइजेज, रवि इंटरप्राइजेज नाम की फर्जी फर्में शामिल हैं।डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता के मुताबिक प्रारंभिक जांच में आरोपी कमीशन के चक्कर में बड़े कारोबारियों, टेनरी व स्लॉटर हाउस संचालकों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और जीएसटी का लाभ पहुंचा रहे थे। इसके लिए बोगस और फर्जी फर्में तैयार कराई गईं। इसके लिए पांच से छह युवकों को रखा गया था। यह रुपये खाते में भेजने और उनको निकलवाने का कार्य कर रहे थे। पुलिस उनके बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इस कार्य में तीन से पांच फीसदी का कमीशन मिलता था।

सर्विलांस टीम ने ढूंढ निकाले 10 लाख के 51 मोबाइल, फोन पाकर लोग बोले- थैंक्यू पुलिस, अभियान रहेगा जारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर पश्चिम जोन की सर्विलांस टीम ने तकनीकी सर्विलांस और सीईआईआर पोर्टल की मदद से 10 लाख रुपये कीमत के 51 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर उनके स्वामियों को लौटाए। मोबाइल वापस पाकर लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की जमकर सराहना की।कानपुर कमिश्नरेट की पश्चिम जोन की सर्विलांस टीम ने सफलता हासिल करते हुए करीब 10 लाख रुपये कीमत के 51 खोए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सत्यापन और अन्य प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए गए। इस पर खोए मोबाइल पाकर पीड़ित बोले-थैंक्यू पुलिस।डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी के मार्गदर्शन में पश्चिम जोन सर्विलांस टीम ने सीईआईआर पोर्टल और जनशिकायत प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन ट्रेस किए। पुलिस के अनुसार, सर्विलांस टीम ने तकनीकी सहायता से विभिन्न स्थानों से मोबाइल बरामद किए।लगातार चलाया जा रहा है अभियानबरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये है।

मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने खुशी जताई और पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की। डीसीपी ने बताया कि आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और तकनीक के माध्यम से खोए मोबाइलों की बरामदगी का अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की हुई दर्दनाक मौत, दोनो के घरों में मचा कोहराम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रविवार की भोर तडके थाना क्षेत्र चकेरी के कोयलानगर फ्लाईओवर पर सडक दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दी।

जानकारी के अनुसार थाना चकेरी क्षेत्र के कोयलानगर फ्लाइओवर पर रविवार की सुबह लगभग पांच बजे दो बाइक सवार अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे कि किसी भारी वाहन ने उन्हे कुचल दिया। जिससे दोनो युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं उनके पास मिले मोबाइल के आधार पर मृतकों के परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों ने बताया कि दोनो युवक सचेंडी के कटरा भैंसोर के रहने वाले है।

सागर कमल 22 वर्षीय तथा आलोक कमल की उम्र 23 वर्ष थी। बताया कि दोनो गहरे दोस्त थे और सीओडी के पास स्थिति आर्मी कैंप में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। बताया कि रोजाना की ही तरह दोनो एक साथ ड्यूटी के लिए गांव से रविवार की सुबह साढे चार बजे निकले थे और कोयलानगर फ्लाईओवर पर किसी अज्ञात वाहन ने दोनो को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गयी। हादसे की भयावकता इस बात से सिद्ध होती है कि दोनो ही हेलमेट लगाये हुए थे, बावजूद इसके दोनो की ही मौके पर मौत हो गयी।सूचना पाते ही दोनो के घरों में कोहराम मच गया। गांव वालों की माने तो दोनो ही जिगरी दोस्त थे और इससे पहले एक साथ दोनो दिल्ली में काम करते थे। साल भर पहले ही दोनो वापस आ गये थे और यहा सिक्योंरिटी गार्ड का काम कर लिया था। पुलिस की माने तो अज्ञात वाहन के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है और जल्द ही अज्ञात वाहन का पता लगा लिया जायेगा।

6- 6- तेल उद्योग के नमूनों में लेड पाए जाने के मामले में राहत दी जाए -ज्ञानेश मिश्र

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी व खाद्य तेल उद्यमी उप्र की 14 तेल निर्माता कंपनियों/फर्मों के नमूनों मे लेड की मात्रा पाए जाने के प्रकरण में राहत प्रदान करते हुए आदेश की कार्यवाही पर पुनः विचार/वापस किए जाने को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्राधिकरण विभाग की आयुक्त डॉ रोशन जैकब से उनके अलीगंज स्थित मुख्यालय पर मिले और विस्तृत वार्ता करके उन्हें ज्ञापन सौंपा।

भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने बताया कि आपके विभाग भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (स्न्नस्स्न्ढ्ढ) द्वारा 23 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों कानपुर, आगरा, मेरठ, लखनऊ, हापुड़ एवं गोरखपुर में 14 तेल निर्माता कंपनियों/फर्मों के सरसों तेल, साल्वेंट ऑयल एवं पाम ऑयल आदि के नमूने लिए गए थे। उक्त नमूनों की जांच एक निजी प्रयोगशाला में कराए जाने के उपरांत 21 अप्रैल 2026 के आदेश द्वारा कुछ नमूनों को 'अनसेफ' घोषित करते हुए उनमें लेड की मात्रा निर्धारित मानक (अधिकतम 0.1 द्ब्द्द/द्मद्द) से अधिक बताई गई।

कहा कि खाद्य तेल निर्माता अपने उत्पाद में लेड की मात्रा को न तो बढ़ा सकते हैं और न ही घटा सकते हैं। लेड की उपस्थिति का संभावित स्रोत खेती की प्रक्रिया, मिट्टी अथवा सिंचाई जल में निहित तत्व हो सकते हैं। ऐसे में केवल एक निजी प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर कठोर कार्रवाई करते हुए उत्पादन, बिक्री एवं स्टॉक पर प्रतिबंध लगाना न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त को कानपुर से मंटोरा ऑयल बावर्ची ब्रांड के के जगदीश गुप्ता, वैभव एडबिल ऑयल के विजय गुप्ता, गोरखपुर के जयलक्ष्मी ऑयल से शशांक अग्रवाल, आगरा से आगरा जनरल हाल के कुमार कृष्ण गोयल, हापुड़ के रवींद्र ऑयल मिल से संजीव अग्रवाल, लखनऊ के संकटमोचन ऑयल से सिद्धार्थ गुप्ता व लखनऊ के हिंद एडीबल ऑयल से किशन अग्रवाल ने बताया कि हमारे 14 खाद्य निर्माताओं में से एक निर्माता द्वारा एनएबीएल (सर्टिफाइड लैब), स्न्नस्स्न्ढ्ढ, तत्र तत्ररूसे जांच करने पर लेड की मात्रा 0.02 एमजी आई है।

जिससे यह भी साबित होता है कि उक्त खाद्य तेल में स्थ्रष्ठ की मात्रा विभाग के द्वारा घोषित अधिकतम मानक से भी बहुत कम है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब से भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र व सभी खाद्य तेल उद्यमियों ने मांग की कि प्रभावित सभी 14 खाद्य तेल उद्योगों पर तत्काल प्रभाव से लगाए गए प्रतिबंध को स्थगित किया जाए तथा नमूनों की जांच किसी मान्यता प्राप्त सरकारी प्रयोगशाला में पुनः कराई जाए। एक घंटे से अधिक हुई वार्ता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने तेल खाद्य तेल नमूनों में लेड पाए जाने में राहत देने सहित पूरे मामले की समीक्षा कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

हैलट अस्पताल में 14 सुपरस्पेशलिटी विभागों का बनाया जायेगा अत्याधुनिक भवन

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। हैलट अस्पताल में जल्द ही 14 सुपरस्पेशालिटी विभागों का अध्याधुनिक भवन बनाया जायेगा, जिसकी लागत 800 कारोड बतायी जाती है।

पीजीआई के अंतर्गत बनने वाले इस भवन को जीटी रोड स्थित नर्सिंग कॉलेज परिसर में बनाये जाने की योजना है।800 करोड रू0 की लागत से 14 सुपरस्पेशाालिटी विभागों के अत्याधुनिक आठ मंजिला भवन बनाया जायेगा।

बताया जाता है कि इसके लिए शासन को भी प्रस्ताव भेजा जा चुका है। यह भवन जीटी रोड स्थित नर्सिंग कॉलेज परिसर में बनाये जाने की योजना है।

इस भवन में पीडियाट्रिक, गैस्ट्रो, कार्डियक, प्लास्टिक सर्जरी सहित 14 विभागों को संचालित किया जायेगा। प्रस्तावित इस भवन में आधुनिक आपरेशन थिएटर, आईसीयू, ओपीडी तथा जांचसुविधाओं को विकसति किया जायेगा, जिससे गंभीर बीमारी से जूझ रहे रोगियों को दूसरे बड़े शहरों की ओर नही जाना होगा।सारी सुविधायें यहां प्राप्त होने से सही समय पर सही इलाज तो मिलेगा ही साथ ही बीमार तथा उसके परिजनों को भी सहजता होगी

और पैसा भी कम खर्च होगा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रचार्य डां0 संजय काला ने बताया कि पीजीआई में अभी 11 सुपरस्पेशलिटी विभागों का संचालन किया जा रहा है।

नकली दवा असली जोंबी, कैप्सूल टिकिया में बिक रहा मौत का सामान:ज्योति बाबा

» बीपीएस न्यूज़

उन्नाव/कानपुर। जोंबी ड्रग्स बनाने वाले 18 से 30 साल वर्ग में सबसे ज्यादा टारगेट कर रहे हैं क्योंकि फौजी पुलिस फैक्ट्री में जाने वाला जवान अगर नशे में जोंबी बन गया तो देश कौन चलाएगा। हमारे चीन और पाक जैसे दुश्मन यही चाहते हैं उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व हिंदू जागरण मंच के तत्वाधान में नशा मुक्ति युवा भारत थीम पर भयंकर ड्रग्स जोंबी की आने वाली विभीषिका पर जागरूकता हेतु कमल वर्मा के ऑफिस शुक्लागंज में आयोजित प्रेसवार्ता में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख,एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डधारी योग गुरू ज्योति बाबा ने कही। श्री ज्योति बाबा ने आगे कहा कि एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार डार्क नेट द्वारा पंजाब,जम्मू,नॉर्थ ईस्ट व दिल्ली में सप्लाई की जा रही है ड्रग्स का पैसा आतंकवाद में इस्तेमाल किया जा रहा है युवाओं को पहला नशा देकर गुलाम,फिर अपराधी और अंत में देशद्रोही बनाया जा रहा है।एक्सपर्ट मानते हैं कि दुश्मन देश बायो वेपन के रूप में जानबूझकर सस्ते सिंथेटिक ड्रग्स बॉर्डर पर से भेज रहा हैं ताकि बिना गोली चलाएं भारत की एकता अखंडता में सेंधमारी के साथ युवा शक्ति को खोखला कर सकें। ज्योति बाबा ने जोर देकर कहा कि दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने 2025 में ट्रैंक के 12 केस पकड़े। मुंबई,बेंगलुरु,पंजाब, दिल्ली की रेव पार्टियों में ?50 की पुड़िया मिलना देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

ज्योति बाबा ने कहा की याद रखिए चीन से 1962 में हम जमीन हारे थे 2026 में नशे में पीढ़ी हार जाएंगे। जोंबी ड्रग्स कोई मजा नहीं, भारत माता के सीने पर वार है इस जहर को रोकना हर नागरिक की ड्यूटी है। इससे बचने के लिए स्कूलों में ऑपरेशन जागृत अभियान के तहत कार्य करने के साथ हर पंचायत,हर वार्ड में मां-बाप को यह बताया जाएगा कि आपका बच्चा जस्ट एक बार के चक्कर में जोंबी ना बन जाए।समाजसेवी कमल वर्मा ने कहा कि बस एक बार ट्राई करने को दिया था दोस्त नेज्अब शरीर सड़ रहा है 22 साल के रोहन की यह कहानी हर मां-बाप के लिए एक चेतावनी है। ज्योति बाबा ने सरकार से जाईलाजाईन ×4द्यड्ड5द्बठ्ठद्ग को एनडीपीएस एक्ट में कैटिगरी ए ड्रग घोषित कर फांसी की सजा की मांग की है।

अनियंत्रित बस गिरी नहर में, मौके से चालक फरार

कानपुर। गुरूवार की सुबह लगभग साढे आठ बजे श्रमिकों से भरी बस अचानक अनियंत्रित होकर नहर में गिर गयी। हादसे की सूचना कंट्रोल रूम को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रमीणों की सहयात से बचाव व राहत कार्य शुरू किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 श्रमिकों से भरी प्राईवेट बस बुढनी से श्रमिकों को लेकर अकबरपुर रनिया की ओ आ रही थी। बताया जाता है कि बस अचानक अनियंत्रित हो गयी और बिधनू नहर में जा गिरी। हादसे में समय बस में 20 श्रमिकों के अलावा चालकर मिलाकर कुद 21 लोग थे। हादसे की जानकारी कंट्रोल रूम को दी गयी। सचूना पाकर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस में स्थानी ग्रामीणें की सहायता से राहत व बचाव कार्य शुरू किया। संयुक्त प्रयासों के परिणम स्वरूप कुछ ही देर में सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।वही इस आपाधापी के बीचा बस चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा, जिसकी तलाश शुरू कर दी गयी है। सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर उमाकांत यादव में बताया कि सूचना के बाद तत्काल मौके पर पुलिस पहुंची और सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। वही बताया कि नहर के आस-पास के क्षेत्र की सर्चिंग कराई जा रही है।

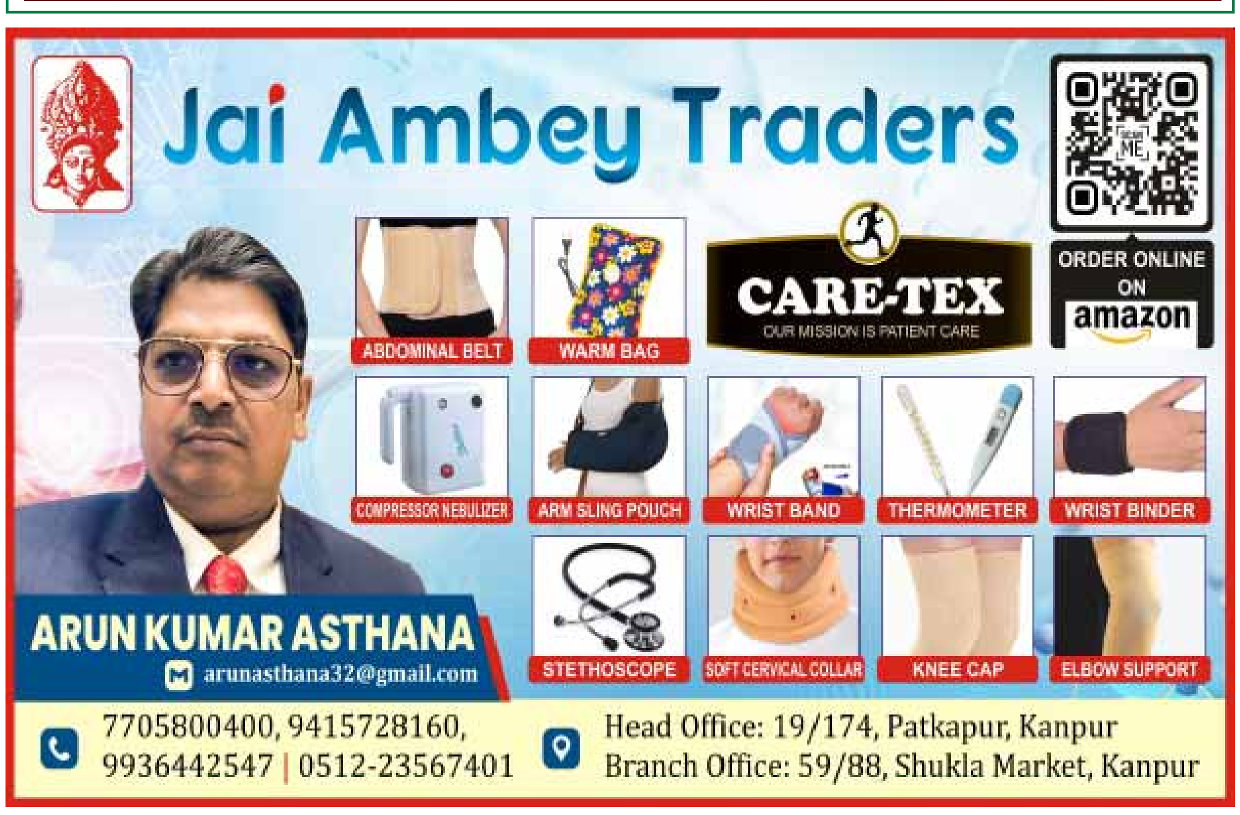

बीपीएस न्यूज़ (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।